सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सु-विचार

"जो टूट कर भी मुस्कुरा दे उसे कोई नहीं हरा सकता ...!!"
अब्दुल कलाम...

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–131 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 31 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

दुर्घटनाग्रस्त सरकारी कार की आड़ में निजी विवाद छिपाने का आरोप, कुलसचिव ने बिना एफआईआर 24 हजार का भुगतान लिया

कुलपति के आदेश की अनदेखी कर खुद कराई मरम्मत, महिला मित्र के घर हुए विवाद के बाद तोड़ी गई थी कार : सूत्र

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव पर सरकारी कार की मरम्मत में गंभीर वित्तीय अनियमितता और निजी विवाद को छिपाने के आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार कुलसचिव ने कुलपति के आदेश के बावजूद दुर्घटना की एफआईआर नहीं कराई और बिना बीमा क्लेम कराए ही खुद मरम्मत कराकर 24 हजार रुपए विश्वविद्यालय के खाते से निकाल लिए। कुलपति ने अब वित्त विभाग से बिना प्रशासकीय स्वीकृति राशि आहरण की जानकारी मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक घटना 17 फरवरी 2026 की है। कुलसचिव रायपुर स्थित होटल मैरियट में शिक्षा संवाद में शामिल होने गए थे। लौटते समय शाम करीब 7 बजे वे भिलाई में अपनी महिला मित्र के घर रुके। महिला भिलाई के एक निजी महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।

आरोप है कि इसी दौरान महिला के पति अचानक वहां पहुंच गए और कुलसचिव को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। पति ने अपने दोस्तों को बुला लिया और कुलसचिव के साथ मारपीट की। किसी तरह कुलसचिव कपड़े लेकर भागे। पति और दोस्तों ने कार से पीछा किया। कुलसचिव और ड्राइवर वाई ब्रिज के नीचे कार लावारिस छोड़कर विश्वविद्यालय कार्यालय में छिप गए।

गुस्सा कार पर उतारा

कुलसचिव को न पाकर महिला के पति और दोस्तों ने लाठी-डंडे और रॉड से सरकारी कार में तोड़फोड़ की। कार के सारे कांच टूट

वाहन क्रमांक	आबंटिती अधिकारी का ... एवं पदनाम
C.G. 02 AK 8800 Innova Crista	कुलपति
C.G. 02 7781 Toyota Etios	
C.G. 02 6681 Toyota Etios	कुलसचिव
C.G. 02 6955 Tata Sumo Gold	परीक्षा, उड़नदस्ता, उप... वितरण, प्रश्न पत्र वित... उत्तरपुस्तिका वितरण ... संग्रहण एवं कार्यालयी... संबंधी समस्त कार्य हेतु... समस्त विभागों द्वारा ... किया जाता है।
C.G. 02 6956 Tata Sumo Gold	
C.G. 04 HS 3505 Mahindra Bolero	
C.G. 02 7456 Mahindra DI 3200	परीक्षा उपाधि वितरण ... पत्र वितरण, उत्तरपुस्... वितरण एवं संग्रहण स... समस्त कार्य
C.G. 02 7457 Mahindra DI 3200	
C.G. 02 7458 Mahindra DI 3200	

गए। सूत्रों का कहना है कि कार की स्थिति देखकर दूसरी गाड़ी से ठोकर लगने की बात संदिग्ध लग रही थी।

एफआईआर के बजाय खुद कराई मरम्मत

जब फाइल कुलपति के पास पहुंची तो उन्होंने दुर्घटना की एफआईआर कराने और बीमा क्लेम करने की टीप लिखी। आरोप है कि कुलसचिव ने एफआईआर नहीं कराई, क्योंकि मामला निजी विवाद से जुड़ा था। बिना एफआईआर बीमा क्लेम नहीं हो सका।

सूत्रों के अनुसार कुलसचिव ने वाहन प्रकोष्ठ से मरम्मत कराने के बजाय खुद ही कार बनवा ली और कुलपति की अनुमति बिना 24,000 रुपए का बिल वित्त विभाग से पास कराकर भुगतान ले लिया।

कार की पात्रता पर भी सवाल

विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार कुलसचिव को निजी इस्तेमाल के लिए सरकारी कार की पात्रता नहीं है। उन्हें केवल घर से कार्यालय लाने-ले जाने के लिए पूल कार की सुविधा है। आरोप है कि कुलसचिव ने नियम विरुद्ध एक सरकारी कार अपने लिए आबंटित करवा रखी है।

कुलपति ने पूरे मामले में वित्त विभाग से बिना प्रशासकीय स्वीकृति राशि आहरण की जानकारी मांगी है। कुलसचिव पर निजी विवाद का खर्च विश्वविद्यालय के खाते में डालने का आरोप है। फिलहाल मामला जांच और स्पष्टीकरण के दायरे में है। विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलसचिव का आधिकारिक पक्ष लेने का प्रयास किया गया नहीं मिल सका है।

महासमुंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई कंपनी के सामान की आड़ में 3 करोड़ का गांजा तस्करी नाकाम

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद पुलिस ने गांजा तस्करी के एक और नए तरीके को नाकाम करते हुए 600 किलो गांजा जब्त किया है। कंपनी के मशीनरी सामान के बीच छिपाकर ले जाया जा रहा मादक पदार्थ की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस ने महाराष्ट्र निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

काले त्रिपाल और कार्टन के बीच छिपाया था गांजा

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, थाना सिंघोड़ा क्षेत्र के मुरमुरी चौक पर एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स ने चेकिंग के दौरान लाल रंग की टाटा माजदा क्रमांक टम्ह-46 उव/6060 को रोका। वाहन में बड़े-बड़े कार्टन रखे थे और ऊपर से काले त्रिपाल से ढंका था। जांच में कार्टन के बीच और पीछे छिपाकर रखी 24 प्लास्टिक बोरियों में 25-25 किलो कुल 600 किलो गांजा बरामद हुआ।

बौद्ध उड़ीसा से ठाणे ले जा रहा था खेप

गिरफ्तार आरोपी महबूब बादशाह शेख उम्र 65 वर्ष निवासी अंबरनाथ, जिला ठाणे महाराष्ट्र ने बताया कि वह गांजा उड़ीसा के बौद्ध जिले से लेकर ठाणे महाराष्ट्र खपाने जा रहा था। आरोपी से गांजा के अलावा वाहन, एक मोबाइल और 10 हजार नगदी भी जब्त की गई। कुल जब्ती 3 करोड़ 12 लाख 15 हजार रुपए की है।

नए-नए तरीके कर रही पुलिस फेल

महासमुंद पुलिस के अनुसार तस्कर अब तक एंबुलेंस, मूवर्स एंड पैकर्स, फल-सब्जी, कपड़ा फेरी, ट्रैवल्स वाहनों और गुप्त चैंबर बनाकर गांजा तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने सभी तरीकों को नाकाम किया है। अब अंदरूनी मार्गों पर भी एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स तैनात है। सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट और फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर काम हो रहा है।

एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

आरोपी महबूब बादशाह शेख के खिलाफ थाना सिंघोड़ा में धारा 20(इ)(ii)(उ) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पूरी कार्रवाई एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

जब्त संपत्ति

गांजा: 600 किलो, कीमत 3 करोड़ रुपए, वाहन: टाटा माजदा, कीमत 12 लाख रुपए, मोबाइल व नगदी: 15 हजार रुपए, कुल: 3,12,15,000 रुपए शामिल हैं।

बीएसपी से ऑस्ट्रेलियन कोक की हेराफेरी फ्लू डस्ट की आड़ में हो रहा था करोड़ों का खेल

जेवरा-सिरसा के निजी गोदाम में मिला कोक का पहाड़

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से लोहा-स्क्रैप के बाद अब सात समंदर पार से आयात होने वाले महंगे 'ऑस्ट्रेलियन कोक' की हेराफेरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार दुर्ग जिले के जेवरा-सिरसा स्थित एक निजी गोदाम में भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित ऑस्ट्रेलियन कोक का पहाड़ मिला है। करोड़ों के इस कोक को छिपाने के लिए उसके ऊपर 'फ्लू डस्ट' की मोटी परत बिछा दी गई थी, ताकि पहली नजर में यह कचरे का ढेर लगे। सूत्रों के मुताबिक यह गोदाम आरडीके इंडस्ट्रीज नामक फर्म से जुड़ा है।

बीएसपी ही सबसे बड़ा उपभोक्ता

इस कोक की कीमत गुणवत्ता के आधार पर 15 हजार से 40 हजार रुपए प्रति टन तक होती है। पूरे प्रदेश में इस महंगे कोक का एकमात्र और सबसे बड़ा उपभोक्ता भिलाई इस्पात संयंत्र ही है। सामान्य बाजार में यह उपलब्ध नहीं होता। ऐसे में निजी गोदाम में इतनी बड़ी मात्रा में मिलना सीधे तौर पर संगठित चोरी की ओर इशारा करता है।

फ्लू डस्ट ठेके की आड़ में खेल

संबंधित निजी फर्म के पास बीएसपी के भीतर से फ्लू डस्ट हैंडलिंग का ठेका है। आरोप है कि इसी टेंडर की आड़ में हेराफेरी का नेटवर्क चल रहा है। प्लांट के भीतर वाहनों में पहले ऑस्ट्रेलियन कोक लोड किया जाता है और फिर उसके ऊपर फ्लू डस्ट की मोटी परत बिछा दी जाती है। इस तरकीब से कीमती कोक आसानी से बीएसपी के मुख्य द्वारों को पार कर निजी गोदाम तक पहुंच रहा है।

बीएसपी प्रबंधन की चुप्पी

इस मामले में फर्म से पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, लेकिन फोन बंद मिला। बीएसपी प्रबंधन से भी आधिकारिक पक्ष मांगा गया, पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एक्सपर्ट व्यू : बीएसपी के अलावा कोई इस्तेमाल नहीं करता

बीएसपी के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं वरिष्ठ यूनियन लीडर एसपी डे ने कहा, मौके पर जो सामग्री दिख रही है, वह साफ तौर पर ऑस्ट्रेलियन कोक प्रतीत हो रहा है। भिलाई स्टील प्लांट के अलावा इस क्षेत्र में इस तरह का उच्च गुणवत्ता वाला कोक कोई तैयार या इस्तेमाल नहीं करता। यदि निजी गोदाम में इतनी बड़ी मात्रा में यह प्रतिबंधित सामग्री मिली है तो शासन-प्रशासन को तुरंत उच्च स्तरीय जांच करानी चाहिए कि इसका स्रोत क्या है और यह वहां कैसे पहुंचा।

क्यों खास है ऑस्ट्रेलियन कोक

भिलाई स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस में इस्तेमाल होने वाला ऑस्ट्रेलियन कोक बेहद विशेष गुणवत्ता का होता है। विदेशी आयातित कोयले को ऊंचे तापमान पर प्रोसेस कर इसे तैयार किया जाता है। यह स्टील निर्माण की रीढ़ माना जाता है और खुले बाजार में उपलब्ध नहीं होता।

बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी: क्रेन ऑपरेटर गिरफ्तार, सरगना संजय सिंह अब भी फरार

बीएसपी से 250 टन लोहा स्क्रैप चोरी के मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने सांई एसोसिएट के क्रेन ऑपरेटर रविन्द्र साहू को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुख्य सरगना संजय सिंह के निर्देश पर मैग्नेटिक क्रेन से बीएसपी का लोहा चोरी कर फ्लू डस्ट परिवहन करने वाली गाड़ियों में लोड करता था। इस मामले में अब तक पांच गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जबकि मुख्य आरोपी संजय सिंह और गोदाम संचालक मो. सलीम पांच दिन बाद भी फरार हैं। **26 मई को यार्ड में रेड से हुआ था खुलासा :** पुलिस ने 26 मई की शाम गोपनीय सूचना पर अकलोरडीह खदानपारा स्थित एके ट्रेडर्स प्लांट के यार्ड में दबिश दी थी। यहां से दो हाइवा, दो ट्रक, टाटा 1109, एक जेसीबी, एक हाइड्रा, चैन माउंटेन, टाटा एस, लोहे के प्लेट कटिंग और बीम समेत करीब 250 टन स्क्रैप जब्त किया गया। यार्ड को सील कर संजय सिंह, मो. सलीम समेत पांच लोगों पर धारा 3(5), 303(2), 317(4) के तहत अपराध दर्ज किया गया। **पूछताछ में कबूला जुर्म :** भिलाईनगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि क्रेन ऑपरेटर रविन्द्र साहू निवासी बस स्टैंड भिलाई-3 के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पूछताछ में रविन्द्र ने मुख्य आरोपी संजय सिंह के कहने पर मैग्नेटिक क्रेन से लोहा चोरी कर फ्लू डस्ट की गाड़ियों में लोड करना स्वीकार किया। **ठेका कंपनी पर कार्रवाई की तैयारी :** बीएसपी सूत्रों के अनुसार फ्लू डस्ट परिवहन का ठेका दुर्ग की एक फर्म को मिला था। यदि चोरी में ठेका व्यवस्था का दुरुपयोग साबित होता है तो संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने समेत अन्य कार्रवाई हो सकती है। **बड़े अधिकारियों की भूमिका की जांच :** शहर एएसपी सुखनंदन राठौर के नेतृत्व में दो सीएसपी और तीन थानेदार की टीम जांच कर रही है। पुलिस बीएसपी से लोहा चोरी कब से और किसके इशारे पर हो रही थी, इसमें किसी बड़े अधिकारी की भूमिका तो नहीं, इसकी तह तक जाने में जुटी है। छावनी सीएसपी प्रशांत पैकरा ने बताया कि रोज बीएसपी कमर्चारियों-अधिकारियों से पूछताछ हो रही है। **सीसीटीवी नहीं, ड्यूटी लिस्ट खंगाली :** जांच में सामने आया कि जिस स्क्रैप यार्ड से करोड़ों का लोहा डंप होता रहा, वहां निगरानी के लिए पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। पुलिस ने बीएसपी प्रबंधन से घटना के दिन ड्यूटी पर तैनात कमिर्यों की डिटेल मांगी है। **सरगना की तलाश जारी :** पुलिस ने संजय सिंह के घर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। उसका मोबाइल बंद है। गोदाम संचालक मो. सलीम भी फरार है।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से मारपीट का दावा, हेलमेट पहनाकर निकाला गया बाहर

बोले- प्लान्ड अटैक था, पुलिस नहीं थी, हेलमेट से बचा सिर ; सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / कोलकाता-सोनारपुर

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर दक्षिण में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। अभिषेक का दावा है कि चुनावी हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेरकर हमला कर दिया। इस दौरान उन पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके गए और शर्ट फाड़ दी गई। सुरक्षा कर्मियों ने हेलमेट पहनाकर उन्हें मौके से निकाला।

पहले से प्लान था, मुझे मारना चाहते थे

पूर्व सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने घटना के बाद कहा, देखो उन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह पहले से प्लान था। इलाके में कोई पुलिस नहीं थी। वे मुझे मारना चाहते हैं। हेलमेट की वजह से सिर बच गया। ऐसे हमलों से हम डरेंगे नहीं। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है।

पीड़ित परिवार से मिले, संसद में उठाएंगे मुद्दा

हमले के बाद अभिषेक ने चुनाव बाद हुई हिंसा में मारे गए टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा और संसद में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दूंगा। जब तक पुलिस नहीं आती, मैं पीड़ित परिवार को नहीं छोड़ूंगा, नहीं तो लोग उन्हें मार सकते हैं।

क्या है मामला

अभिषेक बनर्जी सोनारपुर दक्षिण में चुनावी हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए हमला कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकमिर्यों ने अभिषेक को हेलमेट पहनाया और सुरक्षित स्थान पर ले गए।

घटना को लेकर टीएमसी ने इसे राजनीतिक साजिश बताया है, जबकि भाजपा की ओर से अभी आधिकारिक बयान नहीं आया है। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

सामूहिक विवाह योजना में गड़बड़ी : जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं

शिकायतकर्ता का आरोप- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षिका और परियोजना अधिकारी पर एफआईआर की मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता राजेश कुमार प्रजापति ने महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को पत्र लिखकर दुर्ग कार्यालय के अधिकारियों पर घोटाले का आरोप लगाया है। आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पर्यवेक्षिका ने पहले से शादीशुदा और बच्ची की मां को योजना का लाभ दिलाया, जबकि जांच में दोष साबित होने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।

क्या है मामला

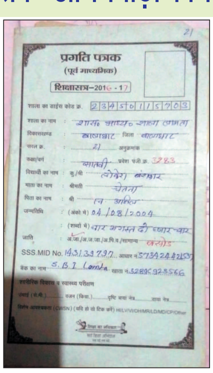

प्रगति पत्रक
(पूर्व माध्यमिक)
शिक्षासत्र–2016-17

शाला का डाइस कोड क्र. 2 3 4 5 0 1 1 5 7 0 3
शाला का नाम : शास. माध्य. शाला ...
विकासखण्ड : ... जिला ...
सरल क्र. : 21 अनुक्रमांक
कक्षा/वर्ग : सातवी प्रवेश पंजी क्र. 3283
विद्यार्थी का नाम : कु./श्री ...
माता का नाम : श्रीमती चेतना
पिता का नाम : श्री ...
जन्मतिथि : (अंको में) 04/08/2004
(शब्दों में) चार अगस्त दो हजार चार
जाति : अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./सामान्य
SSS.MID No. 1431397977 आधार नं. ...
बैंक का नाम S.B.I ... खाता नं. ...
शारीरिक विकास व स्वास्थ्य परीक्षण
ऊंचाई (से.मी.) ... वजन (कि.ग्रा.) ... दृष्टि बायां नेत्र ... दायां नेत्र ...
विशेष आवश्यकता (CWSN) (यदि हो तो टिक करें) HI/LV/VI/OH/MR/LD/MD/CP/Other
शिक्षा का अधिकार

शिकायत के अनुसार, कैंप-1 प्रेम नगर आंगनबाड़ी केंद्र-25 की कार्यकर्ता मुनेश्वरी सिंह और पर्यवेक्षिका अंजू यादव ने सामूहिक विवाह में दस्तावेजों को दरकिनार कर फर्जीवाड़ा किया। आरोप है कि लाभार्थी महिला मध्यप्रदेश निवासी थी और पहले से शादीशुदा होने के साथ 2 वर्ष की बच्ची की मां थी, जबकि योजना में छत्तीसगढ़ का निवासी होना अनिवार्य है।

शिकायत में कहा गया कि मुनेश्वरी सिंह उसी वार्ड की बीएलओ भी हैं और लाभार्थी का घर आंगनबाड़ी केंद्र से लगा है। मुनेश्वरी सिंह को पता था कि जोड़ा शादीशुदा है और बच्ची के माता-पिता हैं। साक्ष्य के रूप में बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र दिया गया है जिसमें माता-पिता का नाम और आधार अंकित है।

एक और जोड़े पर भी आरोप

शिकायत में एक अन्य जोड़े वर-लोकेश वंशकार, वधु-राखी वंशकार का भी उल्लेख है। आरोप है कि वधु राखी विवाह के पहले ही विवाहित और 2 माह की गर्भवती थी। इसकी जानकारी कार्यकर्ता और पर्यवेक्षिका को थी।

जांच के बाद भी कार्रवाई नहीं का आरोप

शिकायतकर्ता के अनुसार, सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगने पर परियोजना अधिकारी पदमजा सिन्हा ने आंतरिक जांच की। जांच में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पर्यवेक्षिका को दोषी पाया गया। इसलिए इस वर्ष केंद्र-25 से किसी जोड़े को मनोनित नहीं किया गया। आरोप है कि पदमजा सिन्हा ने सूचना देने से मना कर दिया और निजी बताकर आरटीआई की धारा 6(3)(1) का उल्लंघन किया।

एफआईआर की मांग

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि खबर प्रकाशित होने के बाद लाभार्थी को परियोजना कार्यालय बुलाकर डराया-धमकाया गया और लिखित में दिलवाया गया कि उसने जानकारी छुपाई थी। उन्होंने कार्यकर्ता मुनेश्वरी सिंह, पर्यवेक्षिका अंजू यादव और परियोजना अधिकारी पदमजा सिन्हा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ धारा 420, 409, 467, 471 और आर्थिक नुकसान के लिए एसीबी में मामला दर्ज करने की मांग की है।

शिकायत की प्रतिलिपि मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, महिला एवं बाल विकास अधिकारी दुर्ग और कलेक्टर दुर्ग को भेजी गई है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों का पक्ष नहीं मिल सका है।

हेमचंद यादव विवि में वित्तीय-शैक्षणिक अनियमितता का आरोप, विधायक देवेंद्र ने राज्यपाल से की जांच की मांग

कुलपति पर निविदा दरकिनार कर 40 लाख भुगतान, बिना अनुमति कोर्स शुरू करने के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी पर गंभीर वित्तीय, प्रशासनिक और शैक्षणिक अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका को पत्र लिखकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

निविदा के बाद भी निजी फर्म को काम, 40 लाख का भुगतान

विधायक ने पत्र में आरोप लगाया कि मार्च 2026 में 12 लाख रुपए से अधिक की उत्तरपुस्तिकाओं की खरीदी के लिए निविदा प्रक्रिया अपनाई गई थी। इसके बावजूद कुलपति ने एक निजी फर्म के पक्ष में अद्धर्शासकीय पत्र जारी कर कार्य आवंटित किया और लगभग 40 लाख रुपए से अधिक का भुगतान कर दिया। इसे शासकीय निविदा प्रक्रिया और वित्तीय नियमों के विपरीत बताया गया है।

40 लाख की किताबें बिना निविदा खरीदीं

विधायक ने नए पाठ्यक्रमों के लिए करीब 40 लाख रुपए की 380 पुस्तकों की खरीदी में भी अनियमितता का आरोप लगाया। उनका कहना है कि यह खरीदी बिना विधिवत निविदा के केवल मौखिक निर्देशों पर की गई।

बिना विभाग 15 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति

शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले ही पांच विषयों के लिए 15 अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति का आरोप भी लगाया गया है। पत्र में कहा गया कि संबंधित विभाग अस्तित्व में नहीं थे और विद्यार्थियों का प्रवेश भी नहीं हुआ था।

बिना शासन की अनुमति शुरू किए 8 कोर्स

पत्र में कहा गया कि विवि ने MBA, MCA, PGDBM समेत आठ नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए AICTE और RCI से निरीक्षण कराया, लेकिन राज्य शासन से पूर्व अनुमति नहीं ली गई। आरोप है कि एक ही विभागीय संरचना को बदलकर अलग-अलग पाठ्यक्रमों की मान्यता लेने का प्रयास किया गया।

हिंदी में उत्तर लिखने पर पहले फेल, फिर पास

"English Legal Language" विषय की परीक्षा का हवाला देते हुए विधायक ने कहा कि करीब 400 विद्यार्थी शामिल हुए। प्रश्नपत्र अंग्रेजी में था, लेकिन लगभग 380 विद्यार्थियों ने उत्तर हिंदी में लिखे। पहले उन्हें अनुत्तीर्ण घोषित किया गया, लेकिन छात्र आंदोलन की आशंका पर पुर्नमूल्यांकन कर सभी को उत्तीर्ण कर दिया गया। इसे परीक्षा प्रणाली पर सवाल बताया गया है।

कार्यपरिषद से नहीं ली स्वीकृति

आरोप है कि कई महत्वपूर्ण वित्तीय विषयों को विवि की कार्यपरिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए नहीं रखा गया, जबकि नियमानुसार स्वीकृति जरूरी थी।

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि लगातार शिकायतों और नियमों की अनदेखी से विद्यार्थियों के भविष्य और विश्वविद्यालय की साख पर असर पड़ रहा है। उन्होंने निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच समिति गठित कर कार्रवाई की मांग की है।

डीएलएड और पीएससी मुख्य परीक्षा की तारीखें टकराईं, विधायक यादव ने परीक्षा तिथि बदलने की मांग

बोले- हजारों छात्रों का भविष्य दांव पर, बिना तनाव तैयारी का मिले मौका

डीएलएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा और लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा की तारीख एक साथ पड़ने से हजारों छात्रों के सामने संकट खड़ा हो गया है। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने छात्रों के हित में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के अध्यक्ष/सचिव को पत्र लिखकर डीएलएड की परीक्षा तिथियों में संशोधन की मांग की है। **एक साथ दो बड़ी परीक्षाएं :** विधायक ने पत्र में बताया कि जून माह में पीएससी की मुख्य परीक्षा निर्धारित है। इसी अवधि में डीएलएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं भी हो रही हैं। प्रदेश के अधिकांश प्रशिक्षार्थी दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। तिथियां टकराने से छात्रों को कठिनाई होगी और कई परीक्षार्थी किसी एक परीक्षा से वंचित हो सकते हैं। **छात्रों ने बताई पीड़ा :** देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेशभर से कई विद्यार्थी उनके पास समस्या लेकर आए। छात्रों ने बताया कि एक साथ दो महत्वपूर्ण परीक्षाएं होने से उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है और भविष्य प्रभावित हो सकता है। **समान अवसर की मांग :** विधायक ने माशिमं से आग्रह किया कि छात्रों के शैक्षणिक हितों को देखते हुए डीएलएड की परीक्षा तिथियों में बदलाव किया जाए। इससे सभी परीक्षार्थियों को दोनों परीक्षाओं में समान अवसर मिलेगा और वे बिना तनाव तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ह्लविद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान होना चाहिए ह्व विधायक ने विश्वास जताया कि शिक्षा मंडल इस व्यावहारिक समस्या को गंभीरता से लेकर सकारात्मक निर्णय करेगा।

खास खबर

ऋषि निर्मलकर हत्याकांड : मुख्य आरोपी रवि शर्मा 5 महीने से फरार, परिजनों ने लगाए पुलिस पर संरक्षण के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

मेजर सिंह सागर के परिजनों ने आईजी-एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर की गिरफ्तारी की मांग

26 जनवरी को होटल 36 इन में हुए ऋषि निर्मलकर हत्याकांड में नया मोड़ आया है। मामले में संदेह के आधार पर जेल में बंद मेजर सिंह सागर के परिजनों ने मुख्य आरोपी रवि शर्मा की गिरफ्तारी को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा, आईजी दुर्ग और एसएसपी से शिकायत की है। परिजनों का आरोप है कि मुख्य आरोपी रवि शर्मा पिछले 5 महीने से फरार है, लेकिन कोतवाली पुलिस सिर्फ चाजर्शीट में फरार बताकर कार्रवाई नहीं कर रही।

आरोपी खुलेआम घूम रहा, फिर भी गिरफ्तारी नहीं : परिजनों ने ज्ञापन में कहा कि थाना दुर्ग के अपराध क्रमांक 48/2026 ऋषि निर्मलकर हत्याकांड में पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। मेजर सिंह सागर को संदेह के आधार पर आरोपी बनाया गया। परिजनों ने खुद उसे थाने में सरेंडर कराया था। मेजर सिंह ने परिजनों को बताया कि उसने मृतक ऋषि निर्मलकर के साथ कोई मारपीट नहीं की और न ही कोई व्यक्तिगत लेनदेन था। ऋषि की मौत मेजर से आखिरी बार मिलने के 5 दिन बाद स्पर्श अस्पताल भिलाई में हुई।

लेनदेन रवि शर्मा का था : मेजर सिंह के मुताबिक, मृतक ऋषि निर्मलकर नशे का आदी था और होटल 36 इन में आए दिन रुकता था, जिसकी एंट्री रजिस्टर में दर्ज है। मेजर होटल मालिक रवि शर्मा के पास मैनेजमेंट का काम देखता था। सारा लेनदेन रवि शर्मा का था। उसी ने मेजर को बुलाया था। घटना वाले दिन जब मेजर होटल पहुंचा तो ऋषि और रवि शर्मा बातचीत कर रहे थे। इसके बाद ऋषि अपने मित्र को बुलाकर मोटरसाइकिल से होटल से चला गया। इसकी सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दी गई है।

5 महीने बाद भी गिरफ्तारी नहीं : परिजनों ने बताया कि मामले की विवेचना हो चुकी है और न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है, जिसमें आरोपी रवि शर्मा को फरार घोषित किया गया है। 24 फरवरी 2026 को भी पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को रवि शर्मा की गिरफ्तारी न होने की शिकायत दी गई थी। परिजनों का कहना है कि घटना के 5 महीने बाद भी क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस द्वारा रवि शर्मा को गिरफ्तार न करना और इनाम घोषित न करना कई संदेह पैदा करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि आरोपी पिछले हफ्ते दुर्ग में खुलेआम घूमता रहा, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्या पुलिस प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है। अब देखना होगा कि मुख्य आरोपी रवि शर्मा की गिरफ्तारी कब तक होती है।

शासकीय कार्य में बाधा और तोड़फोड़ के आरोप प्रमाणित होने पर रिसाली निगम पार्षद बर्खास्त

दुर्ग। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने 29 मई 2026 को छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1996 की धारा-19(1)(अ) के तहत अनावेदक विनय नेताम पार्षद वार्ड क्र. 16 बी.आर.पी. कालोनी, नगर पालिक निगम रिसाली को पार्षद पद से हटाने का न्यायालयीन आदेश पारित किया है। ज्ञात हो कि यह प्रकरण आवेदक आयुक्त, नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा पार्षद विनय नेताम के विरूद्ध पद से हटाने के लिए प्रस्तुत किए गए आवेदन के बाद शुरू हुआ। इस संबंध में निगम आयुक्त द्वारा 19 मार्च 2026 को एक विस्तृत प्रतिवेदन (रिपोर्ट) भी सौंपा गया था। मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत जवाब, साक्ष्य, तर्कों और संबंधित दस्तावेजों का गहन अध्ययन किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रस्तुत सभी विधिक तथ्यों, दस्तावेजों से उत्तरवादी पार्षद के विरूद्ध पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन नहीं करने, नगर पालिक निगम रिसाली के मुख्यालय परिसर में संचालित आधार कक्ष में प्रवेश कर तोड़फोड़ कर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा अनावश्यक दबाव व अभ्रद तरीके से व्यवहार किए जाने एवं कार्यालयीन समय पर निगम कार्यालय में आयुक्त कक्ष एवं अन्य अधिकारियों के कक्ष को बंद कर बंधक बना लेने तथा आम जनता को निगम अधिकारियों से मिलने से रोकने और कार्यालयीन कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने का आरोप प्रमाणित होता है, जिससे कि उनका पार्षद के रूप बना रहना नगर पालिक निगम एवं सार्वजनिक हित में वांछनीय नहीं है। उक्त प्रमाणित आरोपों और विधिक तथ्यों के आधार पर संभाग आयुक्त राठौर ने विनय नेताम को पार्षद पद से हटाने का अंतिम आदेश जारी किया है।

दुर्ग जिला चिकित्सालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

नुक्कड़ नाटक में लोगों को तंबाकू सेवन से दूर रहने, इसके दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के संयुक्त तत्वावधान में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम आकर्षण का पर्दाफाश- निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला रही।

कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों और नागरिकों ने भाग लिया। रैली के दौरान तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से संबंधित जागरूकता नारे लगाए गए तथा आमजन को तंबाकू से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों की जानकारी देने के लिए आईईसी सामग्री का वितरण किया गया।

रैली के पश्चात जिला चिकित्सालय प्रांगण में तंबाकू से होने वाले दुष्परिणाम विषय पर रोल प्ले (नुक्कड़ नाटक) प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से तंबाकू एवं निकोटीन की लत से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन से दूर रहने, इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कमर्चारियों एवं नागरिकों ने तंबाकू एवं निकोटीन उत्पादों का सेवन नहीं करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। सभी ने तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज, अस्पताल सलाहकार डॉ. ओ.पी. वर्मा, डॉ. सोनल सिंह, डॉ. आर.के. मल्होत्रा, डॉ. हेमंत साहू, डॉ. विनिता धुर्वे, डॉ. बालवेंद्रे, डॉ. रेनू तिवारी, मैट्रन चित्ररेखा बोरकर सहित जिला चिकित्सालय के अधिकारी एवं कमर्चारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने तंबाकू निषेध के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न जागरूकता नारे भी लगाए— 'तंबाकू को कहें ना, स्वस्थ जीवन को कहें हाँ!' तंबाकू छोड़ें, जीवन से जुड़ें!, स्वस्थ युवा, स्वस्थ समाज झ तंबाकू मुक्त हो हर आज!, आज ही लें यह ठान, तंबाकू मुक्त बने हिंदुस्तान! विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण और जनस्वास्थ्य संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

निस्वार्थ सेवा भाव समिति के स्थापना दिवस पर दिया जीव सेवा का संदेश

बांटे सकोरे, गर्मी में सब मिलकर बेज़ुबान पशु-पक्षियों के लिए दाना और पानी रखकर दें मानवता का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

निस्वार्थ सेवा भाव समिति के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समिति द्वारा बेज़ुबान पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम, करुणा एवं सेवा भाव का संदेश देते हुए आमजन को निःशुल्क सकोरा (मिट्टी के पात्र) वितरित किए गए।

भीषण गर्मी में जब इंसान तो अपनी प्यास बुझा लेता है, लेकिन आसमान में उड़ने वाली नन्हीं चिड़िया रानी और बेज़ुबान पशु पानी की एक बूंद के लिए तड़प जाते हैं। इसी संवेदना को समझते हुए समिति ने लोगों से भावुक अपील की कि अपने घरों, छतों, आंगन एवं आसपास दाना और पानी अवश्य रखें। समिति का मानना है कि इंसानियत केवल लोगों की सेवा तक सीमित नहीं, बल्कि हर उस बेज़ुबान जीव की रक्षा और देखभाल में भी है, जो अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। अगर आपके घर की छत पर रखा एक छोटा सा सकोरा किसी प्यासे पक्षी की जान बचा दे, तो उससे बड़ा पुण्य और मानवता का कार्य कोई नहीं।

निस्वार्थ सेवा भाव समिति ने समाज से आह्वान किया है। कि इस गर्मी में सब मिलकर बेज़ुबान पशु-पक्षियों के लिए दाना और पानी रखकर मानवता का सच्चा परिचय दें। इस दौरान समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार, संरक्षक जे.डी. खांन, विनीत,जी. माधव रांव, राहुल खांन, सत्येंद्र पांडे, देव कुमार, वेद कुमार और कार्तिक राम आदि उपस्थित थे।

अधिकारों से अधिक कर्तव्यों के पालन से समस्याओं का होगा समाधान-सांसद विजय बघेल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की प्रेरणा और आशीर्वाद से गीता परिवार छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित छह दिवसीय बाल संस्कार सिंचन शिविर का शनिवार को भव्य समापन हुआ। सेक्टर-9 स्थित मां शारदा पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित समापन समारोह संस्कृति गौरव एवं आशीर्वाद समारोह के रूप में संपन्न हुआ, जिसमें दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्धजन, माहेश्वरी समाज, वनवासी कल्याण परिषद तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि वतर्मान समय में ऐसे संस्कार शिविरों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने अधिकारों की बात तो करता है, लेकिन अपने कर्तव्यों को भूल जाता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करे तो अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि जीवन में समस्याओं पर नहीं, बल्कि समाधान पर केंद्रित रहना चाहिए।

25 मई से प्रारंभ हुए इस निःशुल्क शिविर में 90 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। भीषण गर्मी के बावजूद बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की। शिविर में पुणे से आए प्रशिक्षक कुमारी गौरी एवं श्री श्रीधर ने बच्चों को व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, एकाग्रता, स्मरण शक्ति, नेतृत्व क्षमता, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों से जुड़े विविध प्रशिक्षण प्रदान किए।

समापन समारोह में बच्चों ने छह दिनों के प्रशिक्षण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। गोपुरम निर्माण, लाठी-काठी चालन और संगीतबद्ध योगासन जैसी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और संस्कारों का सुंदर संदेश दिया। शिविर के दौरान आयोजित मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों ने अपने माता-पिता का तिलक कर, आरती उतारकर एवं चरण पूजन कर सम्मान व्यक्त किया। इस भावुक दृश्य ने उपस्थित अभिभावकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में महिला माहेश्वरी समाज द्वारा बच्चों को आम एवं शीतल पेय वितरित किए गए।

गीता परिवार पिछले 39 वर्षों से बाल संस्कार, गीता ज्ञान और वेदोत्थान के कार्यों में सक्रिय है। संस्था वतर्मान में अपने 40वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर देशभर में 40 हजार कार्यकर्ताओं के निर्माण तथा 40 लाख लोगों तक गीता के संदेश पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। संस्था द्वारा लर्न गीता के माध्यम से ऑनलाइन निःशुल्क कक्षाओं का भी संचालन किया जा रहा है। शिविर के सफल संचालन में गीता परिवार दुर्ग-भिलाई इकाई की अध्यक्षा भूमिजा बेंडाले, सचिव आशुतोष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष माधुरी पाटिल, प्रांतीय सचिव इंद्रसेन अग्रवाल सहित स्थानीय कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं रायपुर से आए वरिष्ठ साधकों ने भी विभिन्न सत्रों के संचालन में सहयोग प्रदान किया।

समापन समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता और शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की प्रतिभा और संस्कारपूर्ण प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए आयोजन को सफल एवं प्रेरणादायी बताया।

कचरा प्रबंधन पर दुर्ग जिले का महा-अभियान : अब खुले में कचरा फेंकने या जलाने पर लगेगा पूर्ण प्रतिबंध

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की बड़ी पहल ; 300 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और मैदानी अमले को मिला विशेष प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले को देश का सबसे स्वच्छ और आदर्श जिला बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया । जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह के कड़े निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के कुशल मार्गदर्शन में 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026' को ग्रामीण इलाकों में पूरी कड़ाई से लागू करने के लिए एक दिवसीय हाई-टेक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

इस महा-अभियान में जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन की समस्त 300 ग्राम पंचायतों के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) व स्वच्छ भारत मिशन के 300 से अधिक जाबांज मैदानी अमले ने हिस्सा लेकर जमीन पर बदलाव लाने का संकल्प लिया । कार्यरत क्षेत्रीय अम्ले बीपीएम, ऐरिया कॉडिनेटर, पीआरपी, एफएल सीआरपी, कृषि सखी, पशु सखी, पोषण सखी विडियो कॉफ्रेंसिंग में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। देवीकिसन निमजे मास्टर ट्रेनर समर्थन संस्था के राज्य स्तरीय अधिकारी द्वारा रायपुर से ऑनलाईन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 6174/2023 में पारित कड़े आदेशों की जानकारी सीधे जनप्रतिनिधियों को दी गई । न्यायालय द्वारा दिनांक 05-05-2026 को जारी गाइडलाइंस के परिपालन में नियम पुस्तिका और आदेशों की प्रतियां हर ग्राम पंचायत को सौंप दी गई हैं, ताकि नियमों का उल्लंघन न हो सके । रायपुर से जुड़े समर्थन संस्था के राज्य स्तरीय मास्टर ने कचरा संग्रहण से लेकर उसके वैज्ञानिक निपटान की ऐसी अचूक तकनीकें सिखाई, जिससे गांव अब शहरों से भी ज्यादा साफ नजर आएंगे।

नागरिकों और पंचायतों के लिए 'डू एंड डोंट्स' (नियम व शर्तें) :

4 श्रेणियों में कचरा बांटना अनिवार्यः अब हर घर को अपना कचरा 4 अलग-अलग डिब्बों—गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट और स्पेशल केयर वेस्ट में बांटकर ही देना होगा । इस्तेमाल किए गए सेनेटरी वेस्ट को पैकेट/पाउच में लपेटकर देना अनिवार्य है ।

सड़क या जल स्रोतों पर कचरा फेंका तो खैर नहींः सड़कों, सार्वजनिक स्थलों या तालाबों/नदियों में कचरा फेंकने, खुले में डंप करने या उसे जलाने/दबाने पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया है ।

आयोजनों के लिए लेनी होगी अनुमतिः बिना स्थानीय निकाय की पूर्व अनुमति और 3 कार्य दिवस पहले सूचना दिए, किसी भी अनधिकृत स्थान पर 100 से अधिक व्यक्तियों का कोई भी आयोजन नहीं किया जा सकेगा ।

बल्क वेस्ट जनरेटर्स पर शिकंजाः बड़े पैमाने पर कचरा पैदा करने वाले संस्थानों को ऑनलाइन पोर्टल पर अनिवार्य रजिस्ट्रेशन कराना होगा और अपने गीले कचरे के निपटान के लिए स्वयं कंपोस्टिंग या बायोमीथनेशन प्लांट लगाने होंगे।

मैदानी स्तर पर कमान संभालेंगे जनपद सीईओ : इसके पूर्व विकासखण्ड स्तर पर समस्त 300 पंचायत के सरपंच एवं सचिव का प्रशिक्षण कर पारित अधिनियम की जानकारी दी गई इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम को मैदानी स्तर पर लागू करने की रूपरेखा समझाने में रूपेश कुमार पाण्डेय (सीईओ, जनपद पंचायत दुर्ग), किरण कुमार कौशिक (सीईओ, जनपद पंचायत धमधा) एवं जागेन्द्र कुमार साहू (सीईओ, जनपद पंचायत पाटन) ने उपस्थित रहकर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

ये 5 नियम बदलेंगे जिले की तस्वीर

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरा प्रबंधन और पर्यावरणीय मानकों की 24 घंटे सख्त निगरानी के लिए जिला स्तर पर एक विशेष समिति (कमांड टीम) का गठन कर लिया गया है यह टीम निम्नलिखित 5 बड़े मोर्चों पर कड़ाई से काम करेगी।

1 .सोर्स से ही पृथक्कीकरण : सूखे और गीले कचरे को घर पर ही अलग-अलग करना अब स्वैच्छिक नहीं, बल्कि अनिवार्य होगा ।

2 .100% डोर-टू-डोर कलेक्शन : शहरी हो या ग्रामीण इलाका, हर एक घर से शत-प्रतिशत कचरा उठाया जाएगा।

3 .वैज्ञानिक डिस्पोजल : कचरा फेंकने के पारंपरिक और प्रदूषणकारी तरीकों को बंद कर पूरी तरह वैज्ञानिक पद्धति अपनाई जाएगी।

4 .लिगेसी वेस्ट का खात्मा : जिले के पुराने डंपिंग यार्डों (कचरे के पहाड़ों) का वैज्ञानिक उपचार कर उन्हें दोबारा हरा-भरा और पर्यावरण अनुकूल बनाया जाएगा ।

5 .स्वच्छता का जन-आंदोलन : आम जनता के व्यवहार में बड़ा बदलाव लाने के लिए जिले भर में कड़ा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ।

श्री गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान सत्य, सेवा और मानवता की रक्षा का अमर संदेश : मुख्यमंत्री साय

शहीदी दिवस पर गुरुद्वारा तेलीबांधा में आयोजित विशाल छबील व छायाचित्र प्रदर्शनी में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के तेलीबांधा स्थित गुरुद्वारा परिसर में छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित विशाल छबील एवं छायाचित्र प्रदर्शनी में शामिल होकर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके महान बलिदान को मानवता, सत्य तथा सेवा की रक्षा का अमर संदेश बताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राहगीरों को शरबत एवं प्रसादी वितरित कर सेवा परंपरा में सहभागी बनते हुए समाज को परोपकार, संवेदना और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सिक्ख समाज ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुद्वारा परिसर में आयोजित श्री गुरु अर्जुन देव जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में उनके दिव्य जन्म से लेकर शहादत तक की प्रेरक और गौरवपूर्ण यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया था। इसमें गुरु गद्दी की प्राप्ति, हरमिंदर साहिब गुरुद्वारा के निर्माण, आदि ग्रंथ साहिब के संकलन, जहांगीर से वैचारिक संघर्ष, गिरफ्तारी, असहनीय यातनाओं के बीच अडिग आस्था का विस्तृत चित्रण शामिल था। उन्होंने कहा कि श्री गुरु अर्जुन देव जी त्याग, तपस्या, सत्य, सेवा और मानवता की महान प्रतिमूर्ति थे। उनका संपूर्ण जीवन समाज को प्रेम, समानता, करुणा, समर्पण और मानव कल्याण का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि गुरु अर्जुन देव जी ने अन्याय, अत्याचार और दमन के सामने

कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। असहनीय यातनाओं के बावजूद उनका धैर्य, साहस, आत्मबल और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास आज भी संपूर्ण मानवता के लिए अमर प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदी दिवस पर आयोजित छबील सेवा केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा, करुणा, भाईचारे और मानवता की जीवंत अभिव्यक्ति है। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को ठंडा और मीठा शरबत पिलाना निस्वार्थ मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सिक्ख परंपरा में छबील सेवा मानवता के प्रति समर्पण, सह-अस्तित्व और परोपकार की भावना को जीवंत बनाए रखने का माध्यम रही है। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी को श्री गुरु अर्जुन देव जी के जीवन, संघर्ष, आध्यात्मिक चेतना और महान बलिदान से परिचित कराने का अत्यंत सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि इतिहास तभी जीवंत रहता है, जब नई पीढ़ी अपने महापुरुषों के विचारों, मूल्यों और त्याग से जुड़ी रहती है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी लोगों से गुरु अर्जुन देव जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा सत्य, सेवा, सद्भाव और मानव कल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने इस गरिमामय एवं पुनीत आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज को साधुवाद भी दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खास खबर

दीर्घ प्रशासनिक सेवाओं के बाद महादेव कावरे को सेवानिवृत्त पर दी भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़ महादेव कावरे (आईएएस) के सेवानिवृत्त होने पर नवा रायपुर में भावभीनी विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ एवं अपेक्स बैंक एम्प्लाइज यूनियन द्वारा आयोजित इस समारोह में अधिकारियों और कमर्चारियों ने उनके दीर्घ प्रशासनिक अनुभव, कुशल नेतृत्व तथा जनहितकारी कार्यों को स्मरण करते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी।

बीजापुर जिले के मूल निवासी महादेव कावरे की प्रारंभिक शिक्षा बीजापुर में हुई। उन्होंने अपने प्रशासनिक जीवन की शुरुआत विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों से की और रक्षा, रेलवे तथा राज्य प्रशासनिक सेवा में उल्लेखनीय सेवाएं दीं। वे एसडीएम, एनआरडीए महाप्रबंधक, बेमेतरा एवं जशपुर के कलेक्टर तथा रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के कमिश्नर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। इसके अलावा उन्होंने सचिव आवास एवं पर्यावरण, सचिव आबकारी, गृह विभाग तथा संचालक कोष एवं लेखा जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अपनी सेवाएं देकर प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सहकारिता विभाग में उनके कायर्काल को पारदशिर्ता, नवाचार और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष रूप से याद किया जाएगा।

सम्मान समारोह में सहकारिता विभाग के अपर आयुक्त एवं अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक केएन कांडे सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्री कावरे के प्रशासनिक योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल भविष्य की कामना की।

खाद की कालाबाजारी पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 2638 बोरी उर्वरक जब्त

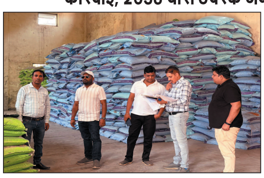

रायपुर। किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा खाद की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उर्वरक निरीक्षकों की टीम ने जांजगीर-चांपा जिले में निजी कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 2638 बोरी रासायनिक उर्वरक जब्त किए हैं।

उप संचालक कृषि राकेश शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान चांपा स्थित थोक विक्रेता मेसर्स दिशा सेल्स में रासायनिक उर्वरकों के भंडारण एवं वितरण में अनियमितताएं पाई गईं। उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत कार्रवाई करते हुए 1150 बोरी एनपीके 16:20:00:13 (एचयूआरएल), 428 बोरी एसएसपी (दानेदार), 630 बोरी एसएसपी (पाउडर) तथा 98 बोरी जिंकेटेड एसएसपी सहित कुल 2306 बोरी उर्वरकों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाते हुए उन्हें जब्त किया गया।

इसी प्रकार विकासखंड बलौदा के ग्राम पिसौद स्थित राजकुमार साहू कृषि केंद्र में छापामार कार्रवाई के दौरान 98 बोरी यूरिया, 94 बोरी जिंकेटेड एसएसपी, 70 बोरी ट्रिपल सुपर फॉस्फेट तथा 70 बोरी एनपीके 16:20:00:13 (एचयूआरएल) का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर 332 बोरी उर्वरक जब्त कर विक्रय प्रतिष्ठान को सीलबंद कर दिया गया। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की रक्षा, उर्वरकों की सुचारु उपलब्धता और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले के सभी सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण जारी रहेगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आमों की सुगंध और स्वाद से सराबोर हुआ रायपुर

राष्ट्रीय आम महोत्सव में उमड़ी आम प्रेमियों की भीड़, शेफ आकांक्षा रॉय के द्वारा निर्मित आम के व्यंजनों ने मन मोह लिया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव में आमों की सुगंध और स्वाद से रायपुर शहर सराबोर हो गया है। महोत्सव के दूसरे दिन बड़ी संख्या में आम प्रेमी एवं दर्शक पहुँचे। आगंतुकों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित आम की विभिन्न दुर्लभ, लोकप्रिय एवं उन्नत किस्मों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं, स्वाद, रंग, आकार एवं उत्पादन संबंधी जानकारी प्राप्त की। ८

ɹसिद्ध शेफ आकांक्षा रॉय द्वारा आम प्रेमियों को आमों के विभिन्न व्यंजनों की रेसिपी सिखाई गई। उनके द्वारा बनाये गए आमों के विभिन्न व्यंजनों ने उपस्थित दशर्कों का मन मोह लिया। आम महोत्सव में विभिन्न राज्यों से आए आम उत्पादक कृषक द्वारा आम की विविध किस्मों के फलों का विक्रय किया जा रहा है। विक्रय स्टॉलों पर भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। आगंतुकों ने अपनी पसंदीदा किस्मों के आमों की खरीदारी की। अल्फांसों, केसर, दशहरी, फजली और अरूणिमा किस्मों की अधिक मांग रही। महोत्सव में आम की विविधता, स्वाद और कृषि नवाचारों को करीब से जानने का अवसर मिलने से दशर्कों में विशेष उत्साह देखा गया। यह आयोजन आम उत्पादकों, उद्यमियों एवं आम प्रेमियों के लिए ज्ञान, व्यापार और स्वाद का एक अनूठा मंच बनकर उभर रहा है।

विशेषज्ञों ने आम उत्पादन और प्रबंधन के सिखाए गुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव के द्वितीय दिवस तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कृषकों ने भाग लिया। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने आम की खेती से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कृषकों के साथ आम उत्पादन, पौध रोपण की वैज्ञानिक विधियों, उन्नत किस्मों के चयन, कीट एवं रोग प्रबंधन, पोषण प्रबंधन तथा बागवानी की आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधान प्रस्तुत करते हुए व्यावहारिक सुझाव भी दिए। तकनीकी सत्र में आम उत्पादन की लागत कम करने, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ाने तथा बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने के उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया गया। इस संवादात्मक सत्र से कृषकों को आम उत्पादन से जुड़ी नई तकनीकों एवं वैज्ञानिक प्रबंधन पद्धतियों की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई, जो भविष्य में उनकी आय वृद्धि और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायक होगी।

मैंगो व्यंजन प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, उद्यानिकी विभाग एवं प्रकृति की ओर सोसायटी द्वारा आयोजित आम महोत्सव में आम के बने व्यंजनों की प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्णायक एवं मुख्य वक्ता प्रसिद्ध शेफ आकांक्षा राय द्वारा आम के विभिन्न व्यंजनों की रेसिपी बताई गई। मुख्य अतिथि श्रीमती ममता चंदेल अध्यक्ष, जय हरीतिमा लेडिस क्लब रायपुर द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शंपा यादव, द्वितीय पुरस्कार अंशिका नायक तथा तृतीय पुरस्कार सान्वी नायडू को प्राप्त हुआ।

सीएम हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन के लिए अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

1076 पर दर्ज कर सकेंगे शिकायत, सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचेगी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला कार्यालय कोंडागांव के सभाकक्ष में शनिवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सलाहकार अशोक चौबे एवं प्रशिक्षक पवन तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रणाली पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इनमें यूनिक टोकन नंबर के माध्यम से शिकायतों की ट्रैकिंग, समयबद्ध निराकरण के लिए एसएलए आधारित व्यवस्था, समाधान उपरांत नागरिकों से संतुष्टि फीडबैक, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा तथा एमआईएस डैशबोर्ड के जरिए सतत निगरानी शामिल है। उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर 24 घंटे संचालित रहेगा और नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे तथा उसकी स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी जानकारी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचेगी।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा संचालित इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को शिकायत पंजीयन, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी तथा समयबद्ध समाधान के लिए एकीकृत, सुलभ और विश्वसनीय मंच उपलब्ध कराना है। शिकायतों के निराकरण का प्रयास सात दिनों के भीतर किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं उनका सचिवालय इसकी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे, जिससे आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।

सीएम हेल्पलाइन को एक केंद्रीकृत एवं तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में विकसित किया गया है। नागरिक फोन, व्हाट्सएप, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप तथा लिखित आवेदन के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकेंगे। प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट टोकन नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे उसकी रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी। शिकायतों के निराकरण के लिए चार स्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। एल-1 स्तर पर ब्लॉक, एल-2 पर जिला, एल-3 पर संभाग अथवा निदेशालय तथा एल-4 पर सचिव या विभागाध्यक्ष स्तर पर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। निर्धारित समय-सीमा में समाधान नहीं होने पर शिकायत स्वतः अगले स्तर पर प्रेषित हो जाएगी।

लोककला की अमूल्य धरोहर पद्मविभूषण तीजन बाई के स्वास्थ्य को लेकर सरकार सजग-मंत्री अग्रवाल

मुख्यमंत्री के निर्देश पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने ली जानकारी, परिजनों को हर संभव सहायता का दिया भरोसा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को देश-दुनिया में प्रतिष्ठित करने वाली सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका एवं पद्मविभूषण से सम्मानित श्रीमती तीजन बाई के अस्वस्थ होने की सूचना पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने तत्काल पहल की। उन्होंने अपने सहयोगी को एम्स रायपुर भेजकर पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

मंत्री श्री अग्रवाल ने दूरभाष पर तीजन बाई के परिजनों से चर्चा कर उनका हालचाल जाना और भरोसा दिलाया कि राज्य शासन उनकी चिकित्सा एवं आवश्यक सहायता के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है। उन्होंने परिजनों को ढांढस

बंधाते हुए कहा कि उपचार संबंधी हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

सांस्कृतिक चेतना और लोक परंपराओं की जीवंत प्रतीक है

श्री अग्रवाल ने कहा कि तीजन बाई केवल लोक कलाकार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की

सांस्कृतिक चेतना और लोक परंपराओं की जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने अपनी अद्भुत गायन शैली, प्रभावशाली प्रस्तुति और लोककला के प्रति समर्पण से पंडवानी को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। उनके योगदान ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

एम्स में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी

एम्स रायपुर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई का उपचार जारी है। चिकित्सकों की सतत निगरानी और बेहतर चिकित्सा प्रबंधन के चलते उनके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर रख रही है और आवश्यक उपचार दे रही है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत की सशक्त प्रतिनिधि हैं श्रीमती तीजन बाई

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा की पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई ने अपनी अनुपम कला साधना से न केवल पंडवानी परंपरा को संरक्षित किया, बल्कि नई पीढ़ी को लोक संस्कृति से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनकी उपलब्धियां और कला यात्रा देशभर के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने लोककला को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। मंत्री श्री अग्रवाल ने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि पूरा छत्तीसगढ़ आज उनकी कुशलता के लिए प्रार्थना कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि अपनी अदम्य इच्छाशक्ति और चिकित्सकों के प्रयासों से श्रीमती तीजन बाई जल्द स्वस्थ होकर पुनः अपनी कला के माध्यम से लोगों को प्रेरित करेंगी।

पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी, समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की धरती और भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा पर आधारित ऐसा अद्भुत आयोजन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस शहर ने पत्रकारिता जगत को अनेक शिखर पुरुष दिए हैं। उन्होंने मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इन विभूतियों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को कोलकाता से श्री जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने भारतीय पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा देशवासियों के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है और इसी कारण पत्रकार बंधु नारद जयंती को सम्मानपूर्वक मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत रोचक और प्रेरक तथ्य है कि उदंत मार्तंड का प्रकाशन भी नारद जयंती के दिन आरंभ हुआ, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय पत्रकारिता की जड़ें हमारी सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों से गहराई से जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी चेतना को स्वर देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा।

उन्होंने मां भारती के सपूत माधवराव सप्रे का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ से छत्तीसगढ़ मित्र का संपादन कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को जागृत और संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पत्रकारिता की चर्चा जब भी होगी, तब भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण स्वाभाविक रूप से होगा। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय चेतना की जो अलख जगाई, उसने स्वतंत्र भारत में लाखों लोगों को प्रेरित किया। स्वदेश और राष्ट्रधर्म जैसे प्रकाशनों ने राष्ट्र चेतना और राष्ट्रीय अस्मिता को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की 200 वर्षों की यात्रा अत्यंत गौरवशाली रही है। उन्होंने कहा कि 1826 में जब उदंत मार्तंड की शुरुआत हुई, तब देश अंग्रेजी शासन के कठिन दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में पत्रकारिता ने अंधकार को सामने लाने के साथ समाज को उजाले की दिशा दिखाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल धर्म समाज और राष्ट्र को सही दिशा प्रदान करना है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडिया हैबिटेट सेंटर के डायरेक्टर डॉ. के.जी. सुरेश ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वतंत्र भारत तक पत्रकारिता ने राष्ट्रधर्म और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने समय के साथ बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को विकसित किया है, किंतु सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा ने कई नई चुनौतियां भी उत्पन्न की हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को शोधपरक, तथ्यात्मक और साक्ष्य आधारित बनाए रखना समय की आवश्यकता है, ताकि पत्रकारिता की विश्वसनीयता और सामाजिक भूमिका और मजबूत हो सके।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्टजनों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रकाशित नवप्रदेश के विशेष अंक, रायपुर प्रेस क्लब की पत्रकार डायरेक्टरी तथा दिनेश यदु की पुस्तक 'मैं अगहन हूं' का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के सलाहकार कृष्णा दास, विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, राम मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुनील रामदास, रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, प्रेस क्लब के पदाधिकारीगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

संपादकीय

कांग्रेस नेता पर लगा आर्म्स एक्ट का मामला वापस

अपनी सरकार होती है तो हर राजनीतिक दल के नेता व कार्यकर्ताओं को लगता है कि प्रशासन को उसका कहना मानना चाहिए,पुलिस को वही करना चाहिए जो वह चाहते हैं ।यह होता तो गलत है लेकिन उनको गलत नहीं लगता है क्योंकि उ ?का मानना रहता है कि हमारी सरकार है तो प्रशासन मे हमारी चलनी चाहिए। प्रशासन को हमारी बात सुननी चाहिए ।कई बार निचले स्तर के नेताओं व कार्यकर्ताओं के कारण सरकार की परेशानी बढ़ जाती है, सरकार को फजीहत का सामना करना पड़ता है ।सरकार का सूरजपुर जिले के कांग्रेस नेता के खिलाफ दर्ज आर्म्स एक्ट का मामला वापस लेना पड़ा है ।सीधा सा सवाल है कि ऐसा काम ही क्यों किसी भी स्तर पर करना जिसके कारण खुद की फजीहत हो,सरकार की फजीहत हो।

कई बार जिले के नेता जिसे छोटा मामला समझते हैं, वह बड़ा मामला बन जाता है या बना दिया जाता है। सूरजपुर जिले का मामला था तो छोटा मामला लेकिन कांग्रेस के बड़े नेताओं के बीच खुद को सक्रिय नेता या कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए लड़ने वाले नेता खुद को साबित करने के लिए मामले को बड़ा बना दिया ।हुआ वह था जो निचले स्तर के नेताओं के बीच होता है। किसी भी स्तर का चुनाव हो तो हार-जीत की बहस होती है ।कहा जाता है कि भाजपा कार्यकर्ता मित्तल पांडे कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन के प्रतिष्ठान में जाकर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन को हार जीत को लेकर उकसाया और उनके साथ बदसलूकी की। कांग्रेस का दावा है कि विवाद बढ़ने पर मित्तल ने सत्ता का हवाला देते हुए नरेंद्र को झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी ।इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली सोनी ने नरेंद्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत शिकायत दर्ज कराई कि नरेंद्र जैन ने गाली गलौज करते हुए मित्तल पांडेय पर कटारा तान दी थी। पुलिस कथित कटार बरामद नहीं कर पाई।

अभी राज्य में पंचायत व नगर पंचायत चुनाव चल रहे हैं। ऐसे माहौल में कांग्रेस के पदाधिकारी के खिलाफ झूठा मामला कांग्रेस नेताओं को लगा कि यही मौका है सरकार को सवालों के घेरे मे खड़े करने और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने का कि कांग्रेस के बड़े नेता तुम्हारे साथ है। मौका था खुद को कांग्रेस का सक्रिय नेता साबित करने का तो दीपक बैज विरोध, अनशन करने पहुंच गए. टीएस सिंहदेव अनशन करने पहुंच गए। भूपेश बघेल भी अनशन में शामिल होने पहुंच गए। गलती निचले स्तर के भाजपा नेताओं की कांग्रेस नेताओं ने ऐसा माहौल बना दिया कि सरकार को आर्म्स एक्ट का मामला वापस लेना पड़ा। आर्म्स एक्ट का मामला था नहीं और बनाया गया तो वापस लेना ही था क्योंकि गलती अपनी थी, मामले में गलती न मानने का मतलब होता कि कांग्रेस को प्रदेश स्तर पर हल्ला करने का मौका देना। यही वजह है कि जिले के मामले को आर्म्स एक्ट का मामला वापस लेकर निपटाने का प्रयास किया गया है। इससे कांग्रेस नेताओं दीपक बैज, टीएस सिंहदेव व भूपेश बघेल को सरकार पर कई तरह की असफलता का आरोप लगाने का मौका मिला है।

अभी पंचायत व नगर पंचायत के चुनाव चल रहे हैं। इसका रिजल्ट जब आएगा तो कांग्रेस हारती है तो वह आरोप लगाएगी की सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव जीता है ।अगर कांग्रेस चुनाव जीतती है तो भी आरोप लगाएगी कि सरकार से जनता का मोहभंग हो गया है, इसलिए भाजपा चुनाव में हार गई है या उसके समर्थित प्रत्याशी चुनाव हार गए हैं। छोटे से मामले को कांग्रेस नेताओं ने बड़ा मामला इसलिए बनाया है कि दीपक बैज जो अध्यक्ष है वह साबित करना चाहते हैं कि वही कांग्रेस अध्यक्ष पद के सबसे अच्छे प्रत्याशी है, वह सबको साथ लेकर चलते है,सबके लिए लड़ते हैं। टीएस सिंहदेव भी कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार है,उनको भी दिखाना था कि वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेतृत्व कर सकते है,उन के लिए लड़ सकते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष पद की लड़ाई में लगता है कि भूपेश बघेल टीएस सिंहदेव के साथ आ गए हैं। यानी अगर उनके किसी समर्थक को कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनाया जाता है तो वह अंत में सिंहदेव के नाम पर सहमत हो सकते हैं।

उजाले अपनी यादों की हमारे साथ रहने दो : श्रद्धांजलि

आचार्य डॉ. अजय आर्य

कुछ शब्द उम्र से बड़े हो जाते हैं

बशीर बद्र : रिश्तों की नमी बचाए रखने वाला शायर 'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए।'

कुछ लोग अपने जीवन से बड़े नहीं हो पाते, लेकिन कुछ लोग अपने शब्दों से अपनी उम्र, अपने समय और अपने शरीर की सीमाओं को भी पार कर जाते हैं। वे चले जाने के बाद भी उपस्थित रहते हैं। उनकी आवाज सुनाई नहीं देती, पर उनके शब्द बोलते रहते हैं। उनकी देह मिट्टी में विलीन हो जाती है, किंतु उनकी संवेदनाएँ पीढ़ियों के हृदय में धड़कती रहती हैं। डॉ. बशीर बद्र ऐसे ही रचनाकार थे।

28 मई 2026 को भोपाल में 91 वर्ष की आयु में डॉ. बशीर बद्र ने अपनी अंतिम सांस ली। पिछले कुछ वर्षों से वे आयुजनित स्वास्थ्य समस्याओं और अस्वस्थता के कारण सक्रिय सार्वजनिक जीवन से लगभग दूर हो चुके थे। समय ने उनके शरीर को अवश्य थका दिया था, किंतु उनकी रचनात्मक चेतना और उनकी शायरी का उजाला कभी मंद नहीं पड़ा। उनके निधन का समाचार आते ही साहित्य, ग़ज़ल और उर्दू अदब की दुनिया में गहरा शोक छा गया। ऐसा लगा मानो संबंधों की नमी, स्मृतियों की गरमाहट और मानवीय संवेदनाओं को शब्द देने वाला एक अत्यंत आत्मीय स्वर अचानक मौन हो गया हो।

उर्दू शायरी की दुनिया में बशीर बद्र केवल एक नाम नहीं थे, बल्कि एक ऐसी आत्मीय उपस्थिति थे, जिनकी पंक्तियाँ लोगों के जीवन का हिस्सा बन गई थीं। प्रेम, विरह, अकेलापन, स्मृतियाँ, रिश्ते, विडंबनाएँ और मनुष्यता— इन सबको उन्होंने जिस सहजता और गहराई से शब्द दिए, वह उन्हें अपने समय के सबसे लोकप्रिय और सर्वस्वीकृत शायरों में स्थापित करता है।

डॉ. बशीर बद्र का जन्म 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर जनपद के हंसवर क्षेत्र के निकट स्थित बुकिया गाँव में हुआ था। उनका पूरा नाम सैयद मोहम्मद बशीर था। प्रारंभिक शिक्षा इटावा में हुई। आगे चलकर उन्होंने उर्दू साहित्य में उच्च अध्ययन किया, शोधकार्य किया और अध्यापन से जुड़े। साहित्य उनके

लिए केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं था; वह मनुष्य को समझने और उसके भीतर की रोशनी को बचाए रखने का साधन था।

सत्तर और अस्सी के दशक में जब उर्दू ग़ज़ल एक नए दौर से गुजर रही थी, तब बशीर बद्र ने उसे नया मुहावरा दिया। उन्होंने ग़ज़ल को कठिन शब्दों और दुरूह प्रतीकों के घेरे से निकालकर सामान्य मनुष्य के जीवन से जोड़ दिया। उनकी भाषा इतनी सरल थी कि एक सामान्य पाठक भी उसे समझ सकता था, और उनकी अनुभूति इतनी गहरी थी कि साहित्य का गंभीर अध्येता भी उसमें नए अर्थ खोज सकता था।

उनके संग्रह—कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी, उड़ते पत्तों का बयान, आस, आहत, इकाई आदि—उर्दू साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं। उन्हें पद्मश्री सहित अनेक राष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया गया, किंतु उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि पुरस्कार नहीं, बल्कि करोड़ों पाठकों और श्रोताओं के हृदयों में बना उनका स्थायी स्थान था। बशीर बद्र की शायरी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उसमें मनुष्य के प्रति विश्वास दिखाई देता है। वे मनुष्य की कमजोरियों को जानते थे, लेकिन मनुष्य से निराश नहीं थे। वे संबंधों की टूटन देखते थे, लेकिन आत्मीयता की संभावना को समाप्त नहीं होने देते थे। उनका अत्यंत प्रसिद्ध शेर है—

'परखना मत, परखने में कोई अपना नहीं रहता,
किसी भी आईने में देर तक चेहरा नहीं रहता।'

यह शेर बशीर बद्र की समूची रचनात्मक चेतना का प्रतिनिधि शेर कहा जा सकता है। जीवन के लंबे अनुभवों से गुजरने के बाद शायद वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि संबंध तर्क से नहीं, स्वीकार से बचते हैं। जो व्यक्ति हर रिश्ते को कसौटी पर कसता रहता है, वह अंततः अकेला रह जाता है। क्योंकि संसार में कोई भी मनुष्य पूर्ण नहीं है। मित्रों में कमियाँ होंगी, परिवार में सीमाएँ होंगी और स्वयं हम भी त्रुटियों से मुक्त नहीं हैं। इसलिए संबंधों को न्यायालय नहीं, आश्रय बनाना पड़ता है।

दूसरी पंक्ति—'किसी भी आईने में देर तक चेहरा नहीं रहता'—मानो समय का दर्शन है। जीवन परिवर्तन का दूसरा नाम है। आज जो रूप है, कल वह नहीं रहेगा। आज जो शक्ति है, वह भी स्थायी नहीं है। परिस्थितियाँ बदलती हैं, चेहरे बदलते हैं, विचार बदलते हैं और समय सबको बदल देता है। तब प्रश्न यह नहीं रह जाता कि सामने वाला कितना पूर्ण है, बल्कि यह रह जाता है कि हमने उसे कितने प्रेम से स्वीकार किया था। उनका एक और अत्यंत लोकप्रिय शेर है—

'दुश्मनी जमकर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे,
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों।'

यह केवल एक सुंदर शेर नहीं, बल्कि भारतीय संवाद-परंपरा का काव्यात्मक रूप है। बशीर बद्र जानते थे कि मतभेद जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं। विचारों का संघर्ष हो सकता है, सिद्धांतों का विरोध हो सकता है, किंतु मनुष्यता का पुल कभी पूरी तरह नहीं टूटना चाहिए। वे मानो कह रहे हैं कि विरोध इतना भी कटु न हो जाए कि भविष्य में मेल-मिलाप की संभावना ही समाप्त हो जाए। आज के सामाजिक और राजनीतिक वातावरण में यह शेर पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। उनकी सामाजिक संवेदना का एक और मार्मिक उदाहरण देखिए—

'लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में,
तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में।'

इस शेर में केवल सामाजिक आलोचना नहीं है, बल्कि एक संवेदनशील हृदय की पीड़ा है। घर केवल ईंट-पत्थरों से नहीं बनते। उनमें सपने लगते हैं, संघर्ष लगते हैं, पीढ़ियों का परिश्रम लगता है। एक पिता की कमाई, एक माँ की बचत, बच्चों की आशाएँ और पूरे परिवार का जीवन उनमें बसता है। इसलिए जब कोई घर या बस्ती उजड़ती है तो केवल भवन नहीं टूटते, अनेक जीवन बिखर जाते हैं। बशीर बद्र का हृदय उस पीड़ा को महसूस करता है और इसलिए उनका शेर मानवता की ओर से दर्ज की गई एक करुण पुकार बन जाता है। आधुनिक समाज की विडंबनाओं को भी उन्होंने बड़ी सहजता से शब्द दिए—

'कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से,
ये नए मिजाज का शहर है, जरा फासले से मिला करो।'

यह शेर केवल व्यंग्य नहीं है। इसमें बदलते हुए सामाजिक संबंधों की टीस भी है। आधुनिकता ने सुविधाएँ बढ़ाई हैं, लेकिन मनुष्यों के बीच दूरियाँ भी बढ़ाई हैं। बशीर बद्र इस दूरी को देखते हैं, उसे पहचानते हैं और मुस्कुराते हुए उसके प्रति सावधान भी करते हैं।

उनकी ग़ज़लें केवल पढ़ी ही नहीं गईं, उन्हें सुना भी गया और गाया भी गया। जगजीत सिंह, ग़ुलाम अली, पंकज उधास, हरिहरन और अनेक प्रतिष्ठित गायकों ने उनके शब्दों को स्वर दिया। उनकी पंक्तियाँ पुस्तकालयों से निकलकर संगीत की दुनिया में पहुँचीं और वहाँ से करोड़ों लोगों की स्मृतियों का हिस्सा बन गईं। बहुत कम शायरों को यह सौभाग्य प्राप्त होता है कि उनकी रचनाएँ साहित्य और संगीत दोनों क्षेत्रों में समान रूप से लोकप्रिय हों।

यदि पूछा जाए कि बशीर बद्र की सबसे बड़ी पहचान क्या थी, तो शायद उत्तर होगा—उनकी मनुष्यता। उन्होंने शब्दों को हथियार नहीं बनाया, पुल बनाया। उन्होंने कठिनता को विद्वत्ता का प्रमाण नहीं माना। वे जानते थे कि सबसे गहरी बातें वही होती हैं जो सीधे हृदय तक पहुँच जाएँ।

आज की युवा पीढ़ी उनके जीवन से बहुत कुछ सीख सकती है। वे सिखाते हैं कि संवेदनशील बने रहना कमजोरी नहीं है। सरल होना पिछड़ापन नहीं है। लोकप्रिय होने के लिए शोर मचाना आवश्यक नहीं है। मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसकी करुणा है और साहित्य का सबसे बड़ा उद्देश्य मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाना है।

आज जब समाज त्वरित निर्णयों, आरोपों, कटुताओं और आभासी संबंधों के दौर से गुजर रहा है, तब बशीर बद्र की शायरी हमें ठहरकर सोचने की प्रेरणा देती है। वे हमें याद दिलाते हैं कि संबंध अधिकार से नहीं, स्वीकार से चलते हैं; प्रेम अपेक्षा से नहीं, आत्मीयता से फलता है; और मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका हृदय है। ऐसे समय में उनकी यह पंक्ति मानो स्वयं उनकी स्मृति का परिचय बन जाती है—

'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए।'

शायद यही पंक्ति आज उन्हें सबसे सुंदर श्रद्धांजलि भी है। जीवन की संध्या कब आ जाए, कोई नहीं जानता। मनुष्य अंततः अपनी स्मृतियों के साथ ही यात्रा करता है। पद, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि समय के साथ धुंधली पड़ सकती है, किंतु प्रेम से भरे हुए शब्द और आत्मीय स्मृतियाँ जीवित रहती हैं।

बशीर बद्र आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, किंतु उनकी शायरी के उजाले हमारे साथ हैं। जब भी कोई संबंधों की नाजुकता को समझना चाहेगा, जब भी कोई मनुष्यता की तलाश करेगा, जब भी कोई प्रेम और करुणा की भाषा खोजेगा, तब बशीर बद्र के शब्द उसका हाथ थामे खड़े मिलेंगे। कुछ लोग जीवन जीते हैं और चले जाते हैं। कुछ लोग जीवन को शब्द देते हैं और अमर हो जाते हैं। बशीर बद्र उन्हीं अमर शब्द-यात्रियों में से एक थे। उनकी पावन स्मृति को विनम्र श्रद्धांजलि।

(लेखक आर्य समाज के चिंतक, वक्ता एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार हैं।)

देखभाल करना नैतिक-कानूनी जिम्मेदारी : मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि ह्यमां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं, तो यह बात शमर्सार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है।

सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें

बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में ह्यमातृ देवो भवह्ण की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं।

दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है।

हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया।

यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता-पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

भारत की विकास यात्रा

सीपी राधाकृष्णन

जब मैं तिरुप्पुर के स्कूल में पढ़ता था, तब मेरे मन में देश को लेकर कई सपने थे। मेरे मन में अक्सर ये सवाल उठते थे- भारत अपनी महानता कब वापस पाएगा? विश्व मंच पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में कब उभरेगा? हमारे गरीब और वंचित भाई-बहनों को सम्मानजनक जीवन कब मिलेगा? मुझे खुशी है कि किशोरावस्था में मेरे मन में जो विचार थे, वे अब साकार हो रहे हैं।

मैं अक्सर खुद को स्वामी विवेकानंद के इन शब्दों की याद दिलाता था, उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको। तमिलनाडु की धरती से स्वामीजी के दिए ये शब्द हर व्यक्ति में देशभक्ति और समर्पण की भावना जगाने की अपार शक्ति रखते हैं। मेरा हमेशा यह विश्वास रहा कि जब भारत अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ेगा, तब वह पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करने वाला राष्ट्र बनकर उभरेगा। पिछले एक दशक में मुझे यह देखकर खुशी होती है कि हमारा देश जबरदस्त ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

अब हमें अपनी आंखों के सामने तिरुवल्लुवर के इन शब्दों की सच्चाई देखने का अवसर मिल रहा है-जो अपने संकल्प में अडिग रहते हैं, वे ठीक वही हासिल करते हैं, जिसकी उन्होंने कल्पना की होती है। हम देख सकते हैं कि हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में भारत ने जो प्रगति हासिल की है, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया आर्थिक मंदी और अनिश्चितताओं से जूझ रही है, भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती और तेजी से आगे बढ़ रही है। इस दौर को निरंतर विकास का युग बनाने के लिए सरकार और जनता, दोनों का साझा उत्साह ही इस प्रगति का कारण है। एक समय कमजोर अर्थव्यवस्था माने जाने वाला हमारा देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारा आर्थिक विकास समावेशी रहा है।

पिछले एक दशक में लगभग 25 करोड़ भारतवासी अत्यधिक गरीबी से बाहर निकलकर सम्मानपूर्ण जीवन जीने में सक्षम हुए हैं। अब तक भारत में गरीब और बेघर लोगों के लिए लगभग 4 करोड़ पक्के घर बनाए जा चुके हैं। 12 करोड़ से अधिक लोगों को पाइप से पीने के पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। हमने खुले में शौच से मुक्त राष्ट्र बनने का संकल्प लिया था और केवल 60 महीनों के भीतर देश ने 60 करोड़ लोगों के लिए यह लक्ष्य हासिल कर दिखाया।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को हर वर्ष 5 किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त दिया जा रहा है, जिस पर 2.3 लाख करोड़ रुपये का खर्च किया जा रहा है। मैंने बचपन से ही गांवों में लोगों को इलाज की सुविधा न मिलने के कारण परेशान होते देखा है। उनके परिवारों की पीड़ा देखकर मुझे दुख होता था। आज देश इस संकल्प के साथ आयुष्मान भारत योजना चला रहा है कि स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति तक पहुंचें। इसी का परिणाम है कि अब 44 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिल रहा है। केवल पिछले एक वर्ष में ही 2.5 करोड़ लोगों ने इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज प्राप्त किया है।

हमारे किसानों ने अपनी मेहनत से 35 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन किया है, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश बन गया है। भारत अब चावल उत्पादन में भी दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है और अपने निर्यात के माध्यम से दुनिया से जुड़ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा चुकी है।

आज हमारी नारी शक्ति के लिए देश के विकास में पूरी भागीदारी के अवसर खुल रहे हैं। 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी बन चुकी हैं। कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीक से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक, महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। अब महिलाएं सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन भी प्राप्त कर रही हैं और युद्धक भूमिकाओं में भी भाग ले रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद और राज्य विधानसभाओं में उनकी भागीदारी को और मजबूत करेगा।

जब मैं देशभर की यात्रा के दौरान लखपति दीदियों और नमो ड्रोन दीदियों से मिलता हूं, तब मुझे अपनी बहनों के चेहरों पर उम्मीद की चमक दिखाई देती है। महिलाओं के दैनिक जीवन को आसान बनाने और उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए देशभर में लगभग 2 करोड़ नए एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।

जब हम युवा पीढ़ी को उत्साह के साथ स्टार्टअप्स की ओर आगे बढ़ते देखते हैं, तब हमें देशभक्त कवि सुब्रमण्यम भारती के ये शब्द याद आते हैं-

आओ, आओ, आओ और अपने सपनों को साकार करो,
पूरा देश एकजुट होकर आगे बढ़े और समृद्ध बने,
आओ, आओ, आओ और कोई महान कार्य करके दिखाओ।

युवाओं के लिए पिछले दस वर्षों में ही 13 नए आईआईटी स्थापित किए गए हैं, जिससे देश में आईआईटी की कुल संख्या बढ़कर 23 हो गई है। इसी तरह आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 21 हो गई है। एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो चुकी है और मेडिकल कॉलेजों की संख्या 37 से बढ़कर 823 हो गई है। यह गर्व की बात है कि मेडिकल छात्रों के लिए सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1,29,603 हो गई है।

हम विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय रेलवे का लगभग 99 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। देशभर में 164 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों ने रेल यात्रा के एक नए युग की शुरुआत की है। हवाई अड्डों की संख्या भी 74 से बढ़कर 163 हो गई है और उड़ान योजना के तहत आम लोगों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है।

तमिलनाडु के लिए रेलवे बजट का आवंटन, जो एक दशक पहले लगभग 880 करोड़ था, बढ़कर 2026-27 में 7,600 करोड़ हो गया है। तमिलनाडु में यह खुशी की बात है कि रामेश्वरम और पंबन के बीच नया पंबन ब्रिज बनाया गया है, जो भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है। यह आध्यात्मिक पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए एक नया अवसर बनकर उभरा है। चाहे चिनाब ब्रिज हो या बोगीबील पुल, भारत अब आधुनिक बुनियादी ढांचे के नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत के विकास के लिए देश भर में विश्व स्तरीय चार-लेन और आठ-लेन की सड़कों के साथ-साथ सुदूर गांवों तक सड़क संपर्क को मजबूती से विकसित किया गया है। तमिलनाडु में पिछले 10 वर्षों में 4,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए हैं। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले 10 वर्षों के दौरान लगभग 7,200 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है। ये सभी विकास कार्य 'प्रगति' के तहत प्रधानमंत्री की करीबी निगरानी के कारण संभव हो पाए हैं।

प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों ने क्रमशः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को बहुत लाभ पहुंचाया है। मेरा हमेशा यह विश्वास रहा है कि विकास केवल सामाजिक वर्गों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें सभी क्षेत्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित होनी चाहिए। जो सीमावर्ती गांव कभी भारत के अंतिम गांव माने जाते थे, वे अब देश के प्रथम गांव बन चुके हैं और वाइब्रेंट विलेज स्कीम के माध्यम से उनका विकास किया जा रहा है। मुझे खुशी के साथ याद आता है कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों को देश की अष्टलक्ष्मी कहा था। हाल ही में जब मैंने नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का दौरा किया, तब वहां परिवहन और बुनियादी ढांचे में जबरदस्त सुधार देखने को मिला।

विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में देश ने जो प्रगति हासिल की है, वह हम सभी को गर्व से भर देती है। तकनीक से लेकर चिकित्सा तक, हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई और स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर बहुत कम समय में सभी को मुफ्त उपलब्ध कराई। भारत ने मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के 100 से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई, जिसने विश्व इतिहास में एक विशेष स्थान बनाया। चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग ने भारत को उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान के नए युग में पहुंचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक कंपनियां भारत को अपना केंद्र बना रही हैं, जिससे निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है। भारत अब सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में दुनिया के लिए एक मॉडल बनकर उभर रहा है।

मोबाइल फोन उत्पादन में भी हमने विश्व में दूसरा स्थान हासिल किया है। जो भारत कभी मोबाइल फोन आयात करता था, वही आज 300 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात करने वाला देश बन चुका है। ये सभी उपलब्धियां आने वाली पीढि ?ों के समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव बनेंगी। कई दशकों तक हमारे देश ने केवल आतंकवाद ही नहीं, बल्कि उग्रवाद और वामपंथी चरमपंथ जैसी चुनौतियों का भी सामना किया है। साहसिक नीतिगत फैसलों और कानून के सख्त पालन के माध्यम से आज देश में शांति स्थापित हुई है और इन क्षेत्रों में विकास के द्वार खुले हैं। हमने यह लक्ष्य निर्धारित किया है कि 2047 तक, यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, भारत एक अग्रणी वैश्विक शक्ति बने और दुनिया का मार्गदर्शन करने की स्थिति में पहुंचे। कठिन परिश्रम का यह दौर ही अमृत काल है।

जिस प्रकार हर स्वतंत्रता सेनानी के हृदय में आजादी की प्यास थी, उसी तरह आज के युवाओं के मन में राष्ट्र विकास का संकल्प होना चाहिए। इस अमृत काल में यदि युवाओं के विचार और प्रयास देशभक्ति, उच्च आदर्शों और श्रेष्ठ चरित्र के साथ आगे बढ़ेंगे, तब हम 2047 में एक विकसित भारत का सपना साकार होते देख सकेंगे। स्वामी विवेकानंद के ये शब्द हमें प्रेरणा देते हैं और दिशा भी दिखाते हैं- मेरे भाइयों, आइए हम सब मिलकर कड़ी मेहनत करें। यह सोने का समय नहीं है। भारत का भविष्य हमारे प्रयासों पर निर्भर करेगा। आइए हम सब मिलकर अपनी कड़ी मेहनत से एक विकसित भारत का निर्माण करें।

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

अपेक्षा के अनुरूप ही

सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संवैधानिक रूप से उचित है, इसको लेकर कभी किसी को शक नहीं था। निर्वाचन आयोग को यह प्रक्रिया संपन्न कराने का अधिकार है, इस पर भी कोई भ्रम कभी नहीं रहा। अब सुप्रीम कोर्ट ने यही व्यवस्था दी है, तो वह अपेक्षा के अनुरूप ही है। विवाद इसे कराने के लिए चुने गए वक्त पर था। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर कराने का एलान निर्वाचन आयोग ने किया, तो उचित सवाल उठा कि आखिर इसकी जल्दबाजी क्यों है? क्यों नहीं यह काम तसल्ली से और सभी संबंधित पक्षों को भरोसे में लेते हुए कराया जा सकता है?

जल्दबाजी के कारण मची अफरातफरी से बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका पैदा हुई। कम-से-कम पश्चिम बंगाल में ऐसा असल में हुआ, यह कहने का ठोस आधार है। इन पहलुओं को ध्यान में रखें, तो कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने जब राज्यों में चुनाव से ठीक पहले स्ट्रीमरोलर के अंदाज में कराए जा रहे एसआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, तो उसके साथ ही घटनोपरांत सुधार की गुंजाइश खत्म हो गई थी।

बहरहाल, अब आए निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि निर्वाचन आयोग को एसआईआर के दौरान नागरिकता की जांच करने का अधिकार है। मगर तीन जजों की बेंच ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल ना करने का मतलब व्यक्तियों को उनकी नागरिकता से वंचित करना नहीं है। जिनके नाम हटाए गए, वे बाद में अपने दावे के साथ निर्णय प्रक्रिया में जा सकते हैं। मगर यह व्यवस्था समस्याग्रस्त है। सवाल है कि क्या वोट काट कर किसी वैध नागरिक को मतदान से वंचित रखने जवाबदेही तय की जाएगी और क्या इसकी कोई सजा होगी? ऐसा नहीं होने का मतलब क्या नागरिक के साथ अन्याय और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करना नहीं होगा?

आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री शर्मा

देवस्थलों और पूर्वजों की आस्था स्थलों के संरक्षण पर हुई विस्तृत चर्चा, पानाबरस में आदिम आस्था स्थलों के संरक्षण व जनजातीय संस्कृति सुरक्षा अभियान की महासभा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के वनांचल क्षेत्र पानाबरस में आदिम आस्था स्थलों के संरक्षण, संवर्धन एवं जनजातीय संस्कृति सुरक्षा अभियान के अंतर्गत महासभा का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री विजय शर्मा तथा राजनांदगांव लोकसभा सांसद संतोष पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के मांझी, गायता, ग्राम पटेल, ग्राम प्रमुख एवं समाज प्रमुख शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज एवं पूजा-अचर्ना के साथ किया गया। अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत करते हुए आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की गई। सभा में जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति एवं पूवर्जों की आस्था से जुड़े स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

महासभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आदिवासी समाज के मांझी, गायता एवं ग्राम प्रमुखों के साथ सीधा संवाद करते हुए उनकी परंपराओं, सामाजिक व्यवस्था एवं धार्मिक आस्था से जुड़ी जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं और देवस्थल हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित देवगुड़ियों, आस्था स्थलों एवं पूवर्जों की स्मृतियों से जुड़े स्थलों का चिन्हांकन कर वहां आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन स्थलों तक पहुंच मार्ग, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए कायर्योजना तैयार की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रहें।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने समाज प्रमुखों से अपील करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, बोली, रीति-रिवाज और परंपराओं से जोड़कर रखने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। राजनांदगांव लोकसभा सांसद संतोष पांडे ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक आस्था स्थलों का संरक्षण समाज की अस्मिता से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए अनेक योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान समाज प्रमुखों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आदिवासी संस्कृति एवं आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मांडवी, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, एमडी ठाकुर, भूतपूर्व विधायक देवलाल दुग्गा, विदेशी राम धुर्वे, गिरीश कुबेर, दुखु राम अचला, हर सिंह मांझी, खेदू राम बोगा, जमीदार लक्ष्मेंद्र शाह, कृष्ण कुमार, भानु तुलावी सहित आदिवासी समाज के विभिन्न समाज प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

वित्तीय योजनाओं, ऋण सुविधाओं और स्वरोजगार के अवसरों की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा बैंकर्स के सहयोग से रैंप योजना के अंतर्गत 29 मई को विकासखंड मानपुर में बैंकर्स-उद्यमी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों, महिला स्व-सहायता समूहों तथा पीएमएफएमई एवं पीएमईजीपी योजनाओं के हितग्राहियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए उद्यमियों को वित्तीय योजनाओं, ऋण सुविधाओं, मुद्रा योजना तथा सीजीटीएमएसई के लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान प्रतिभागियों को बैंक अधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिला, जिसमें उन्होंने अपने व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को साझा किया। बैंक अधिकारियों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम के दौरान कई ऋण प्रस्तावों पर प्रारंभिक कार्यवाही भी की गई। साथ ही सफल उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नए एवं भावी उद्यमियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कहा कि स्वरोजगार केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार प्रदाता बनने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक युवाओं एवं महिलाओं से शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री राम कुमार गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम उद्यमिता क्षेत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे भावी उद्यमियों को उचित मार्गदर्शन और सही दिशा प्राप्त होती है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही तथा सभी बैंक अधिकारियों और उपस्थित उद्यमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

एसी पाइप चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस ने जनपद पंचायत और कृषि विभाग कार्यालय में हुई एसी कॉपर पाइप चोरी का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी और चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई कॉपर पाइप भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत कार्यालय और उप संचालक कृषि कार्यालय में लगे एसी से कॉपर पाइप और अन्य सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। दोनों घटनाओं में हजारों रुपये के नुकसान की बात सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने तकनीकी और पारंपरिक जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पैठूपारा निवासी शंकर राजपूत उर्फ नरसिंग राजपूत को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने रात के समय दोनों शासकीय कार्यालयों में घुसकर चोरी करना स्वीकार कर लिया। पूछताछ में यह भी पता चला कि चोरी की गई कॉपर पाइप नवाब मोहल्ला निवासी कबाड़ी बाबू खान को बेची गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कबाड़ी बाबू खान को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कबीरधाम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शासकीय संपत्ति और आम नागरिकों की मेहनत की कमाई पर हाथ डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्राम सांकरा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने खोला खुशियों का द्वार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

विकासखंड बेरला के ग्राम पंचायत सांकरा में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान की। शिविर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ विभागीय स्टॉल भी लगाए गए, जहां नागरिकों को योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

मौके पर हुआ समस्याओं का निराकरण, ग्रामीणों को मिली राहत

शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, समाज कल्याण, खाद्य एवं शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। नामांतरण, खाता विभाजन, त्रुटि सुधार, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा अन्य विभागीय सेवाओं से संबंधित अनेक मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित आवेदकों को आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी उपलब्ध कराते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया।

पीएम योजना के हितग्राहियों को मिली पक्के घर की चाबी

शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को पूर्ण आवास का प्रमाण-पत्र एवं उनके पक्के मकानों की चाबियां प्रदान की गईं। वर्षों से अपने स्वयं के पक्के घर का सपना संजोए हितग्राहियों के लिए यह अवसर बेहद भावुक और खुशी भरा रहा। हितग्राहियों ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास की सुविधा प्राप्त हो गई है।

राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड वितरण से बढ़ी सुविधाएं

खाद्य विभाग द्वारा 5 पात्र हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए, जिससे उन्हें जरूरत पड़ने पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया गया।

नोनी सुरक्षा योजना, जॉब कार्ड और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत पंजीयन प्रपत्र प्रदान किए गए। मनरेगा के तहत 5 हितग्राहियों को जॉब कार्ड वितरित किए गए, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। शिक्षा विभाग द्वारा क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला।

शासन की योजनाएं अब सीधे गांव तक पहुंच रही हैं

शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि शासन का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए जिला या विकासखंड मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी सोच के साथ गांव-गांव में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

ग्रामीणों ने की पहल की सराहना

ग्रामीणों ने जनसमस्या निवारण शिविर को उपयोगी और जनहितकारी पहल बताते हुए कहा कि अधिकारियों का गांव में पहुंचकर समस्याएं सुनना और तत्काल समाधान करना उनके लिए बड़ी राहत लेकर आया है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से उनकी अनेक समस्याओं का समाधान गांव में ही हो गया, जिससे समय और धन दोनों की बचत हुई। ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की अपेक्षा जताई।

खरीफ सीजन से पहले अब तक जिले में 29 हजार मीट्रिक टन से अधिक खाद का भंडारण

अनियमितता पर सख्ती, 2 खाद केंद्रों का लाइसेंस निलंबित, 31 को नोटिस जारी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले में किसानों को खाद एवं बीज की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने शासन-प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जिले में खाद-बीज का नियमित भंडारण, वितरण एवं निगरानी कार्य सतत रूप से जारी है। उप संचालक कृषि, जिला कबीरधाम से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के सहकारी क्षेत्र में अब तक कुल 29,186 मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया जा चुका है। इसमें यूरिया 15,584 मीट्रिक टन, डीएपी 2,995 मीट्रिक टन, एमओपी 1,765 मीट्रिक टन, एसएसपी 4,320 मीट्रिक टन तथा एनपीके 4,520 मीट्रिक टन शामिल है। इसके अतिरिक्त डबल लॉक केंद्रों में भी 2,720 मीट्रिक टन खाद सुरक्षित रूप से उपलब्ध है।

किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से अब तक 16,188 मीट्रिक टन खाद का वितरण किया जा चुका है। वहीं निजी क्षेत्र में 9,287 मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है, जिसके विरुद्ध 6,522 मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित की जा चुकी है। प्रशासन द्वारा खाद वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी भी की जा रही है। इसी क्रम में गठित उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के 128 विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 2 केंद्रों का लाइसेंस निलंबित किया गया तथा 31 कृषि केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। सभी विक्रय केंद्रों को निर्धारित मूल्य एवं उचित मात्रा में खाद विक्रय करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। वहीं जिले में 6,811 क्विंटल बीज वितरण के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 3,100 क्विंटल बीज का भंडारण किया जा चुका है तथा किसानों द्वारा 350 क्विंटल बीज का उठाव भी किया गया है। कृषि विभाग द्वारा लगातार भंडारण एवं वितरण कार्य की मॉनिटरिंग की जा रही है।

नौतपा की तपिश खरीफ के लिए वरदान, किसान करें गहरी जुताई और जीवामृत का प्रयोग-अशोक चौधरी

रोहिणी नक्षत्र में बीज सुखाने और जैविक खाद बनाने की सलाह, रासायनिक खाद की कमी से निपटने का बताया उपाय

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव के प्रगतिशील किसान अशोक चौधरी ने कहा कि 25 मई से 2 जून तक चलने वाला नौतपा और 8 जून तक रोहिणी नक्षत्र की सूर्य की तपिश किसानों और अच्छी वर्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने बताया कि प्रकृति ने ग्रीष्म, वर्षा और शीत ऋतु को एक-दूसरे का पूरक बनाया है। अच्छी गर्मी से वर्षा ऋतु के लिए वातावरण तैयार होता है।

श्री चौधरी ने कहा कि वर्षा ऋतु खरीफ फसल, खासकर धान के लिए वरदान है। धान की खेती में ज्यादा पानी लगता है। एक किलो धान उत्पादन में करीब 4000 लीटर पानी खर्च होता है। इसीलिए शासन भी दूसरी फसल में धान न लेने की सलाह देता है, क्योंकि इससे भूजल स्तर गिरता है और पीने के पानी की समस्या खड़ी हो जाती है।

गहरी जुताई और बीज सुखाना जरूरी

किसान चौधरी ने बताया कि नौतपा से पहले कृषि वैज्ञानिक खेतों की गहरी जुताई की सलाह देते हैं। इससे जमीन के अंदर छिपे हानिकारक कीट-विषाणु रोहिणी नक्षत्र की तेज धूप से नष्ट हो जाते हैं। साथ ही बुवाई के लिए रखे बीजों को भी रोहिणी नक्षत्र में 4 घंटे की धूप दिखाना चाहिए। इससे बीज रोगाणु मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि बुवाई के लिए हमेशा उन्नत और पुष्ट बीज का ही प्रयोग करें। बीज कमजोर होगा तो पौधा नहीं बन पाएगा और खेती कमजोर हो जाएगी। किसान भाइयों के पास अभी एक महीना है, वे उन्नत बीज की व्यवस्था कर लें।

रासायनिक खाद की कमी, जीवामृत है विकल्प

अशोक चौधरी ने आशंका जताई कि इस वर्ष ईरान-इराक युद्ध के कारण रासायनिक खाद की कमी रहेगी। इससे निपटने के लिए किसानों को गोबर, गोमूत्र, बेसन, गुड़ से जीवामृत जैविक खाद बनाकर खेत में छिड़काव करना चाहिए।

कैसे बनाएं जीवामृत

20 किलो देसी गाय-बैल का गोबर, 5-10 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन, 1 किलो मेड़ की मिट्टी और 1 किलो गुड़ या 2 लीटर गन्ना रस को 20 लीटर पानी में मिलाएं। इसे 15 दिन तक रोज लकड़ी से घड़ी की दिशा में घुमाएं। 15 दिन बाद इसमें 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में छिड़काव करें। खेत में कम से कम चार अंगुल पानी होना चाहिए। इससे यूरिया, पोटाश, जिंक, पोटेशियम, सल्फर सभी तरह के पोषक तत्व पौधों को मिलेंगे। किसान 200 लीटर के प्लास्टिक ड्रम में भी जीवामृत बना सकते हैं। श्री चौधरी ने कहा कि किसी भी आशंका पर किसान कृषि वैज्ञानिक या दिल्ली के किसान हेल्प सेंटर के टोल फ्री नंबर 1551 पर सलाह ले सकते हैं।

कवर्धा जिले में सुशासन तिहार : गांव-गांव पहुंच रही सुशासन की योजनाएं - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, हितग्राहियों को आवास की चाबी सहित अनेक योजनाओं से लाभान्वित किया

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के कवर्धा विकासखंड के ग्राम जेवड़नखुर्द तथा बोड़ला विकासखंड के ग्राम मिनमीनिया में आयोजित सुशासन तिहार में ग्रामीणों के बीच पहुंचे एवं आमजनों से सीधे संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच सादगी और आत्मीयता के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में दिव्यांगजनों की मांग पर त्वरित रूप से ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को नए आवास की चाबी भी सौंपी तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत अनेक हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार में शासन की योजनाएं अब गांव-गांव तक पहुंच रही है। उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विकास कायी की जानकारी देते हुए बताया कि बरपेलाटोला से सिंघनपुरी तक 2.5 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण, मुख्य सड़क पोड़ी से उसलापुर नहर होते हुए बोधईकुंडा तक 4.5 करोड़ रुपए की सड़क, चरडोंगरी - कोठार मार्ग से सारंगपुरखुर्द नहर पार तक 2.6 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण तथा सूरजपुर से मोहगांव तक 3.58 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के अनेक गांवों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण अपने गांव में ही विभिन्न योजनाओं की राशि निकाल पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 27 किस्तों में 27 हजार रुपए महिलाओं के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं, जिनकी राशि अब ग्रामीण अपने गांव में ही निकाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांवों के स्कूलों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत की गई है, जहां डिजिटल माध्यम और 3डी एनिमेशन से बच्चों को पढ़ाई कराई जा रही है। दिव्यांगजनों को गतिशील बनाने के लिए स्कूटी प्रदान की जा रही है। महिलाओं की बैठकों के लिए महतारी सदन और युवाओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है।

सिंचाई परियोजना से किसानों को मिलेगा लाभ

उप मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 8.10 करोड़ रुपए की लागत से छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं संबद्ध माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य का भूमिपूजन कर निर्माण शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना के पूरा होने पर 1540 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंधनुपरी एवं राम्हेपुर कला सहित 6 गांवों के किसान सीधे लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा छिरपानी नहर विस्तार के लिए 50 करोड़ रुपए की घोषणा भी की गई है। इसके साथ ही भोरमदेव फीडर, दियाबार जलाशय, नेवारी और कोठार जलाशय में करोड़ों रुपए की लागत से नहर विस्तार और उन्नयन कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखना एजेंसी, अधिकारियों और हम सभी की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों से उन्होंने स्वयं निगरानी रखने और किसी भी गड़बड़ी की जानकारी तत्काल देने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री ने स्टॉलों का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सुशासन तिहार शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से हितग्राहियों को मिल रहे लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम में शामिल होकर दिया शुभाशीष

सुशासन तिहार शिविर के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने शिशुओं को अन्नप्राशन कराकर उन्हें शुभाशीष प्रदान किया तथा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई। इस दौरान पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण सदस्य भगत पटेल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, विजय पटेल, मनीराम साहू, लोकचंद साहू, नितेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

करियर के शुरुआती दौर में हुमा ने झेली बॉडी शेमिंग

अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में हुमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में अपने लुक्स और शक्ल-सूरत को लेकर मिले निगेटिव रिएक्शन पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि इस तरह के कमेंट्स से उनका मनोबल भी कम हुआ था।

लगातार जज किए जाने से प्रभावित होता है आत्मविश्वास

हाल ही में हुमा कुरैशी नेहा धूपिया और अंगद बेदी द्वारा होस्ट किए जाने वाले चैट शो 'डबल डेट' के हालिया एपिसोड में नजर आईं। हुमा अपने भाई और अभिनेता साकिब सलीम के साथ शो में शामिल हुईं। इस दौरान हुमा ने ट्रोलिंग और बॉडी शेमिंग से निपटने के अपने अनुभव के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी दूसरी फिल्म के बाद मुझे अपने रूप-रंग और लुक्स के बारे में बहुत सारी निगेटिव प्रतिक्रियाओं का सामना करने को मिला। इसने मुझे बहुत प्रभावित किया और मैं कुछ समय के लिए काफी निराश हो गई थी और एक बार को खुद गिव अप कर दिया था। मुझे लगता है कि जब लगातार आपको जज किया जाता है, तो यह आपके आत्मविश्वास को प्रभावित करने लगता है।

ऐसे अपने लुक को लेकर आया कॉन्फिडेंस

इस दौरान हुमा ने अपनी इनसिक्योरिटीज और ऑनलाइन ट्रोलिंग से निपटने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे समय के साथ उन्होंने खुद पर विश्वास करना शुरू किया। हुमा ने कहा कि समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि मुझे बाहरी शोर से दूर रहकर खुद पर ध्यान देना होगा। मैंने ध्यान करना, अपनी फीलिंग्स को लिखना, डायरी लिखना और यहां तक कि थेरेपी लेना शुरू किया। धीरे-धीरे मैं खुद को और अपने रूप-रंग को लेकर कॉन्फिडेंट होने लगी। आज मैं जोक्स पर हंस सकती हूं, यहां तक कि खुद पर भी जोक सुना सकती हूं और चीजों को बहुत पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। अब मैं अपने आप में कहीं अधिक आत्मविश्वासी और कंफर्टेबल फील करती हूं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा

वर्कफ्रंट की बात करें तो हुमा कुरैशीआखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'सिंगल सलमा' में नजर आई थीं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में यश के साथ 'टॉक्सिक' शामिल है। इसमें हुमा के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगी। दो रिलीज डेट टलने के बाद अभी फिल्म की नई रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हैं।

'ब्राउन' में पुलिस अधिकारी बनेंगी अभिनेत्री

वेब सीरीज 'ब्रउन' में करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी, जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है, जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊब चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।

कब रिलीज होगी सीरीज?

वेब सीरीज 'ब्राउन' से सिर्फ करिश्मा ही नहीं, बल्कि हेलेन भी अभिनय की दुनिया में वापसी कर रही हैं। इसके साथ ही सीरीज में सोनी राजदान, सूर्या शर्मा और के. के. रैना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि वेब सीरीज की रिलीज डेट की कोई आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं हुई है।

सीरियस रोल्स छोड़ कॉमेडी फिल्म करने पर मृणाल ठाकुर ने कही बड़ी बात

मृणाल ठाकुर अब पहली बार डायरेक्टर डेविड धवन की कॉमेडी दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हैं। उनकी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक फुल ऑन रोमांटिक-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें मृणाल का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब तक मृणाल को ज्यादातर सीरियस, इमोशनल और थ्रिलर फिल्मों में देखा गया है। लेकिन इस बार वो कॉमेडी और मस्ती से भरी कहानी में नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि अगर उन्हें कॉमेडी जॉनर में कदम रखना था, तो वो सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही करना चाहती थीं।

तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए

मृणाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'डेविड सर, काश मैं आपसे अपने करियर में बहुत पहले मिली होती। तब शायद मुझे आपके साथ और भी ज्यादा फिल्में करने का मौका मिलता। मेरे मन में तो यही चल रहा था कि सर कम से कम तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए।' एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करने के बाद उनकी कॉमिक टाइमिंग पहले से काफी बेहतर हो गई है। उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के लिए बेहद खास बताया। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मृणाल ठाकुर और मनीष कॉल पहली बार साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म को एक मजेदार फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अर्जुन रामपाल का नॉर्थ अमेरिका में डीजे टूर का ऐलान

अर्जुन रामपाल ने हाल ही में 'धुरंधर' में अपने नेगेटिव किरदार से शानदार धमाका किया था, और अब वह एक और बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार एक्टिंग नहीं, बल्कि छ्छ कंसोल के पीछे से। अर्जुन ने नॉर्थ अमेरिका में अपने डीजे टूर का ऐलान किया है। बड़े स्टेज, जबरदस्त एनर्जी और शानदार नाइट्स के साथ अर्जुन अपनी टूर की शुरुआत 28 मई को अटलांटा से करेंगे। इसके बाद 29 मई को सैन फ्रांसिस्को, 30 मई को ह्यूस्टन, 31 मई को डलास, 4 जून को शिकागो, 5 जून को वॉशिंगटन डीसी, 6 जून को न्यूयॉर्क, 7 जून को टोरंटो, 11 जून को वैंकूवर और 13 जून को लॉस एंजेलिस में परफॉर्म करेंगे। अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पर टूर की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, 'नॉर्थ अमेरिका, अब तुम्हारी बारी है!

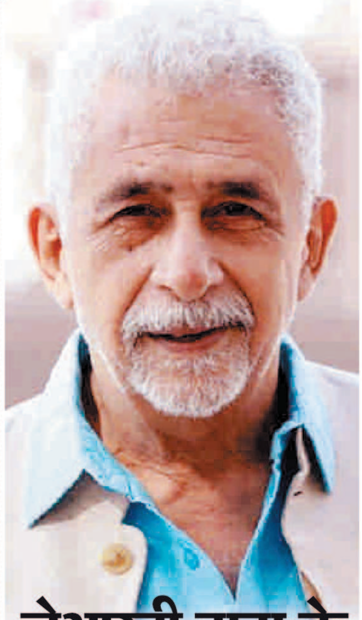

जेआरडी टाटा के किरदार में नजर आएंगे नसीरुद्दीन शाह

भारतीय सिनेमा में कई बार ऐसी कहानियां देखने को मिलती हैं, जो मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को प्रेरणा भी देती हैं। इन दिनों एक नई वेब सीरीज 'मेड इन इंडिया- ए टाइटन स्टोरी' चर्चा में है, जो भारत के सबसे मशहूर और भरोसेमंद ब्रांड्स में से एक 'टाइटन' की प्रेरणादायक कहानी दिखाने जा रही है। इस सीरीज में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह देश के प्रसिद्ध उद्योगपति जेआरडी टाटा का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इस दौरान नसीरुद्दीन शाह ने शो और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जेआरडी टाटा की सबसे खास बात उनका शांत आत्मविश्वास था, जिससे वह लोगों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। मंगलवार को रिलीज हुए ट्रेलर की शुरुआत एक भारतीय घड़ी ब्रांड बनाने के विचार से होती है और धीरे-धीरे एक बड़े और सफल ब्रांड बनने तक पहुंचती है। यह सीरीज लेखक विनय कामथ की चर्चित किताब 'टाइटन - इंडियाज मोस्ट सक्सेसफुल कंज्यूमर ब्रांड' पर आधारित है। सीरीज दिखाती है कि किस तरह एक सपना और उस पर किया गया भरोसा इतिहास बदल सकता है। इस सीरीज में जहां नसीरुद्दीन शाह जेआरडी टाटा की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं जिम सर्भ मशहूर बिजनेसमैन जेरक्सेस देसाई के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा वैभव तत्ववादी, नमिता दुबे, लक्षवीर सरन और कावेरी सेठ भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। नसीरुद्दीन शाह ने सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा, ''मुझे जेआरडी टाटा का व्यक्तित्व बेहद खास लगा। वह ऐसे इंसान थे जो लोगों की प्रतिभा पहचानते थे और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देते थे। आज के समय में ऐसा विश्वास और धैर्य बहुत कम देखने को मिलता है। जेआरडी टाटा लोगों को यह एहसास दिलाते थे कि वे अपनी सोच से कहीं ज्यादा बड़ा कर सकते हैं।''

नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, '''मेड इन इंडिया- ए टाइटन स्टोरी' सिर्फ एक कंपनी या ब्रांड की कहानी नहीं है। यह इंसानी भरोसे, मेहनत और साहस की कहानी है। कई बार लोग किसी नए विचार पर भरोसा करने से डरते हैं, क्योंकि उस समय सफलता दिखाई नहीं देती, लेकिन यह कहानी दिखाती है कि अगर किसी विचार पर विश्वास किया जाए और मेहनत जारी रखी जाए तो वह बड़ी सफलता में बदल सकता है। जेआरडी टाटा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।'' वहीं, अभिनेता जिम सर्भ ने भी अपने किरदार और सीरीज को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, ''जेरक्सेस देसाई ऐसे इंसान थे, जो परंपराओं से हटकर सोचने की हिम्मत रखते थे। वह उन चीजों की कल्पना करते थे, जिनके बारे में उस समय शायद कोई सोच भी नहीं सकता था। मुझे इस शो की सबसे खास बात यह लगी कि यह सिर्फ बिजनेस और सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह इंसानी भावनाओं और संघर्षों को भी बहुत खूबसूरती से दिखाती है।''

चेहरे पर झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत।

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया।

चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है

रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।'

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना - पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा निजी स्कूलों में दाखिला

श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने की विभागीय काम-काज समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता ने मंत्रालय (महानदी भवन) में श्रम विभाग के काम-काज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं श्रममंत्री लखन देवांगन के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनायें संचालित की जा रही है। इन सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले इस दिशा में विभाागीय अधिकारी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में अपर श्रमायुक्त द्वय एसएल जांगड़े एवं श्रीमती सविता मिश्रा, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल के सचिव गिरीश रामटेके, श्रम विभाग के उप सचिव विपुल गुप्ता सहित विभिन्न जिलों से आए श्रम विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सचिव श्री गुप्ता ने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिले। इस दिशा में विभागीय अधिकारी आवश्यक कार्यवाही करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर प्रारंभ होने जा रहे नए शैक्षणिक सत्र से सीटों की संख्या बढ़ाकर 100 से 200 कर दी गई है। इस योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों का प्रदेश के निजि स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त होगी। इनका पूरा खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। श्रमायुक्त ने जिलों के श्रम पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस योजना में अपात्र व्यक्ति को लाभ मिलता है अथवा किसी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित जिलों के श्रम अधिकारी जवाबदेह होंगे और उनके विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सचिव सह श्रमायुक्त श्री गुप्ता ने श्रमिकों के पंजीयन के लिए प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, उनके हितों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण और योजनाओ का क्रियान्वयन समय अवधि में पूर्ण करें। ठेकेदार को जितने श्रमिकों का लाइसेंस प्राप्त है, उतने ही श्रमिक कार्यरत है की नहीं यह सुनिश्चित करने कहा गया। उन्होंने कारखाने की नियमित जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में ऑनलाईन रेण्डम निरीक्षण, अभियोजन एवं निराकरण की कार्यवाही, छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम अंतर्गत पंजीयन की समीक्षा, मिनी माता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, असंगठित कर्मकार महतारी जतन योजना, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत शामिल योजनाओं की समीक्षा, इसके अलावा सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों पर जिलेवार की गई निराकरण की समीक्षा की गई।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में संगठित श्रमिकों एवं उनके परिवार के लिए कल्याणकारी योजनाओं के संचालन हेतु छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल, भवन एवं अन्य संनिर्माण में लगे निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कमर्कार कल्याण मंडल तथा असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत असंगठित कमर्कार एवं उनके परिवार के कल्याण हेतु छत्तीसगढ़ असंगठित कमर्कार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया गया है। उक्त मण्डलों द्वारा श्रमिकों का पंजीयन किया जाकर उनके कल्याण हेतु योजनाओं का संचालन कर सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

खास खबर

बीएसपी से मई में 101 कर्मचारी सेवानिवृत्त, प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र से मई 2026 में कुल 101 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इनमें 17 कार्यपालक, 74 गैर-कार्यपालक और खदान बिरादरी के 10 सदस्य शामिल हैं। बीएसपी प्रबंधन ने सेवानिवृत्त कमिर्यों को भावभीनी विदाई दी। इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में आयोजित समारोह में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने 17 कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश सौंपे। उन्होंने सभी के कार्यकाल की सराहना करते हुए स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती, कार्यपालकनिदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालकनिदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार और कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (संकार्य) तुषार कांत उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों से आत्मीय संवाद कर संयंत्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके अनुभव और सुझाव आमंत्रित किए। अधिकारियों ने अपने कार्यकाल की यात्रा साझा की। कार्यपालक निदेशकों ने जीवन के नए पड़ाव के लिए शुभकामनाएं दीं।

वहीं 30 मई को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में 74 गैर-कार्यपालकों और खदान बिरादरी के 10 सदस्यों को विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, महाप्रबंधक (आई एंड एस) के. सुपर्णा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-मिल्स) प्रताप शेखर नायक और उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एससीसीए) राजेंद्र प्रसाद ने सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किए। संयंत्र प्रबंधन ने विदा होने वाले इस्पात बिरादरी के सदस्यों के योगदान को रेखांकित करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की।

घुमका नगरीय निकाय चुनाव : एसपी अंकिता शर्मा ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

पुलिस को सतकर्ता और निष्पक्षता के साथ ड्यूटी के निर्देश, स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा परखी

राजनांदगांव। नगर पंचायत घुमका में 1 जून को होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने शुक्रवार को घुमका क्षेत्र का निरीक्षण किया। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने मतदान केंद्रों की भौतिक स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील व अतिसंवेदनशील बिंदुओं, पहुंच मार्ग और संचार व्यवस्था का जायजा लिया। निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित संधारण के लिए बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम का भी निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की।

पुलिस को दिए सख्त निर्देश : पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों-कमर्चारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन अवधि में सतकर्ता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करें। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त बल तैनात करने, प्रभावी पेट्रोलिंग, असामाजिक तत्वों पर निगरानी और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा।

उन्होंने कहा कि शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी सुरक्षा उपाय पहले से सुनिश्चित किए जाएं। आम नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना रहे, यह सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है।

जशपुर में पांच आरक्षकों पर एसएसपी की बड़ी कार्रवाई, तीन आरक्षक नौकरी से हुए बर्खास्त

गैर हाज़िर रहकर कर्तव्य के प्रति स्वेच्छाचारिता, घोर लापरवाही व अनुशासन हीनता का प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

जशपुर जिले के पुलिस कप्तान डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के द्वारा पुलिस रेगुलेशन के नियम 221(अ) में प्रदत्त शक्तियों के तहत, अपने कर्तव्य के प्रति घोर अनुशासन हीनता, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता बरतने वाले जिले के पांच आरक्षकों के विरुद्ध विभागीय जांच के उपरांत अंतिम आदेश पारित किया गया। जिसमें से तीन आरक्षक क्रमशः आरक्षक 737 संतोष कुमार राम, आरक्षक 525 नेल्सन तिग्गा को बार बार लंबे समय से गैर हाज़िर रहने के आदि पाए जाने पर सेवा से पृथक तथा आर.47 इरीमियस कुजूर को एक वेतन वृद्धि के के बराबर धनराशि की कमी संचयी प्रभाव से एवं आर.144 बिंदेश्वर राम को आरक्षक के न्यूनतम वेतनमान मे, जिसका प्रभाव भविष्य के वेतन वृद्धि एवं पेंशन पर भी पड़ेगा के दण्ड से दंडित किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार लंबी अवधि तक अनाधिकृत रूप से गैर हाज़िर रहकर कर्तव्य के प्रति स्वेच्छाचारिता, घोर लापरवाही एवं अनुशासन हीनता का प्रदर्शन करते हुए, बार बार सेवा का अवसर प्रदाय करने के बावजूद सेवा शर्तों का उल्लंघन करने पर जशपुर जिले के पांच पुलिस आरक्षकों क्रमशः संतोष कुमार राम, नेल्सन तिग्गा, अशोक कुमार एक्का, इरीमियस कुजूर व बिंदेश्वर राम के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई थी। मामले में डी आई जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग के अधिकारी व कमर्चारीयों के द्वारा अनुशासन हीनता, उदासीनता स्वेच्छाचारिता कतई बर्दास्त नहीं की जाएगी। ऐसे पुलिस कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही जारी रहेगी।

इन आरक्षकों पर की गई कार्रवाई

आरक्षक 737 संतोष कुमार राम की सेवा पुस्तिका का अवलोकन करने पर उसके द्वारा अपनी 13 वर्ष की सेवा में 33 बार अलग अलग समय में कुल 469 दिन तक गैर हाज़िर रह कर स्वेच्छाचारिता व अनुशासन हीनता का प्रदर्शन किया गया था। पूरे सेवाकाल में उसे कुल 09 इनाम मिले थे जबकि 23 सजा मिली थी, उक्त आरक्षक के द्वारा बार बार अवसर प्रदाय करने के बावजूद, अपने कर्तव्य के प्रति उदासीनता प्रदर्शित की जा रही थी, वतर्मान में वर्ष 2023-24 तक कुल 106 दिवस की लंबी गैर हाज़िर रहने पर विभागीय जांच की गई थी, जांच उपरांत उसे सेवा से पृथकह्व कर दिया गया है।

इसी प्रकार आरक्षक 525 नेल्सन तिग्गा, के द्वारा अपनी 17 वर्ष की सेवा में, अलग अलग समय में कुल 28 बार में 923 दिवस गैर हाज़िर रहा गया है, सेवा के द्वारा उसे 27 सजा दी गई है, जिसमें 16 निंदा व 11 बड़ी सजा शामिल है, बार बार अवसर प्रदाय करने के बावजूद अपनी गलतियों को दोहराने पर उसके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई थी, जांच के दौरान बार बार नोटिस देने पर भी, उक्त आरक्षक के द्वारा जांच हेतु उपस्थित नहीं हो रहा था। इसे भी सेवा से पृथक किया गया है।

आरक्षक 394 अशोक कुमार एक्का के द्वारा अपनी 20 वर्ष की सेवा में अलग अलग समय में कुल 30 बार में 1151 दीवस तक ग़ैर हाजिर रहा गया है। पूरे सेवा काल में उसे 07 इनाम व 19 निंदा की सजा,06 बार एक वर्ष की वेतन वृद्धि पर रोक असंचयी रूप से तथा 02 बार संचयी रूप से की सजा मिल चुकी है, बार बार अवसर मिलने के बावजूद अपने आचरण में सुधार नहीं करने पर, उसे सेवा से पृथक की सजा दी गई है।

आरक्षक 47 इरीमियस कुजूर के द्वारा भी 17 वर्ष के सेवा में अलग अलग अवधि में कुल 139 दिवस अनाधिकृत रूप से अपने कर्तव्य से गैर हाज़िर रहा गया है, पूरे सेवा काल में उसे 29 इनाम व 02 छोटी व 02 बड़ी सजा मिली है, सेवा पुस्तिका के अवलोकन के पश्चात, विभागीय जांच उपरांत, उसे एक वेतन वृद्धि की राशि की कमी संचयी प्रभाव से के दंड से दंडित किया गया है।

आरक्षक 144 बिंदेश्वर राम के द्वारा अपनी 18 वर्ष की सेवा में अलग अलग अवधि में कुल 216 दिवस गैर हाज़िर रहा गया है, तथा सेवा काल में कुल 14 इनाम व 06 छोटी सजा मिली है, सेवा पुस्तिका के अवलोकन तथा विभागिय जांच के उपरांत उसेआरक्षक के न्यूनतम वेतनमान मे, जिसका प्रभाव भविष्य के वेतन वृद्धि एवं पेंशन पर भी पड़ेगा के दंड से दंडित किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना : लॉटरी से 10 हितग्राहियों को मिला अपने घर का सपना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित आवासों का पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से लगातार आवंटन किया जा रहा है। निगम क्षेत्र के सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित किफायती एवं आकर्षक आवास शहरवासियों के लिए बेहतर आवासीय विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जिसके चलते बड़ी संख्या में हितग्राही आवेदन कर रहे हैं।

निगम प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर निष्पक्ष लॉटरी प्रक्रिया के जरिए आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 5 तथा मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों के लिए कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, शशि साहू, रंजीता पाटिल तथा सहायक अभियंता संजय ठाकुर की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया संपन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए। इस दौरान महापौर के हाथों हितग्राहियों को आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए।

लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदशिर्ता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। निगम प्रशासन ने बताया कि संपूर्ण राशि जमा करने के बाद हितग्राहियों को आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने इस अवसर पर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई हितग्राही आवास को किराये पर देता पाया गया, तो नगर निगम द्वारा आवंटन निरस्त करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन दीपक संचेती (सीएलटीसी एमआईएस) द्वारा किया गया। इस अवसर पर रामदास साहू सहायक ग्रेड-03 सहित निगम के अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे।

बच्चों को सेवा भाव सिखाना हमारी जिम्मेदारी-रामचंद्र, संस्कार स्कूल ने किया शरबत वितरण

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

भीषण गर्मी और तपती धूप से आम जनजीवन बेहाल है। ऐसे में शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान संस्कार पब्लिक स्कूल, रायगढ़ ने शहर के कमला नेहरू, कयाघाट चौंक, स्टेशन चौंक , निकले महादेव मंदिर के पास अलग अलग चार स्टॉल लगाकर सामाजिक सरोकार की एक सराहनीय मिसाल पेश की है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं और प्रबंधन ने सड़क से गुजरने वाले राहगीरों, श्रमिकों और आम जनता को ठंडा और शीतल शरबत बांटकर राहत पहुंचाई।

संस्कार पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपने नाम के अनुरूप ही समाज में 'संस्कार' और 'सेवा' की महक बिखेर रहा है। इए संबंध में संस्कार पब्लिक स्कूल डायरेक्टर रामचंद्र शर्मा ने बताया कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं, बल्कि बच्चों और समाज में संवेदनशीलता और सेवा के संस्कार जगाना है। हमारा यह छोटा सा प्रयास इसी दिशा में एक कदम है।"

वर्षों से चली आ रही है यह मानवीय परंपरा

संस्कार पब्लिक स्कूल में सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि सेवा और संस्कारों का पाठ भी पढ़ाया जाता है। स्कूल के डायरेक्टर श्री रामचंद्र शर्मा और प्रिंसिपल श्रीमती रश्मि शर्मा के मार्गदर्शन में यह पुनीत कार्य पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी में सफर कर रहे लोगों को राहत देना और समाज में सेवा भावना का संदेश प्रसारित करना है।

शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक संभाली कमान

इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तपती धूप की परवाह किए बिना शिक्षकों ने राहगीरों, रिक्शा चालकों, ऑटो चालकों और राह चलते राहगीरों को रोक-रोक कर आदरपूर्वक शीतल शरबत पिलाया। ठंडे शरबत की एक-एक घूंट ने राहगीरों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी।

जनता ने की सराहना

इस नेक कार्य की शहरवासियों और राहगीरों ने जमकर सराहना की। लोगों का कहना था कि इस भीषण तपिश में जहां गले सूख रहे हैं, वहां संस्कार पब्लिक स्कूल के शिक्षकों द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है।

भू-जल संरक्षण की बड़ी पहल, आधुनिक तकनीक से 334 स्थानों पर बना रहे इंजेक्शन वेल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भू-जल रिचार्ज अभियान को गति दी जा रही है। राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी पहल से वर्षा जल का अधिकतम संचयन कर भू-जल स्तर को मजबूत किया जाएगा।

बिलासपुर जिले में पहली बार युक्तधारा पोर्टल एवं भूवन एप के संयुक्त उपयोग से फैक्चर जोन चिन्हांकित किए गए हैं, जहां इंजेक्शन वेल का निर्माण कराया जा रहा है। इन इंजेक्शन वेल्स के माध्यम से वर्षा जल को सीधे जमीन के भीतर पहुंचाकर भू-जल रिचार्ज सुनिश्चित किया जाएगा। बिलासपुर के कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले के 12 उद्योगों से सहयोग की अपील करते हुए 334 चिन्हित स्थलों पर इंजेक्शन वेल निर्माण कराने का आग्रह किया गया है। इसके तहत बोर खनन का कार्य कई स्थानों पर युद्धस्तर पर दिन-रात जारी है। साथ ही मनरेगा से मिनी परकुलेशन टैंक का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिससे जल संचयन एवं जल रिचार्ज की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। शासन की यह पहल भविष्य में जल संकट से निपटने के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी। जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर ने भू-जल रिचार्ज के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। जिले में चल रहा यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और सतत विकास की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार इंजेक्शन वेल भू-जल संवर्धन का प्रभावी माध्यम है। इससे वर्षा जल व्यर्थ बहने के बजाय जमीन के भीतर संग्रहित होता है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में पेयजल, सिंचाई और पर्यावरण संतुलन के रूप में मिलेगा। बिलासपुर जिले में चल रहा यह अभियान जल संरक्षण के प्रति प्रशासन की गंभीरता और दूरदृष्टि को दर्शाता है। यह पहल भविष्य में जल उपलब्धता बढ़ाने के साथ किसानों और आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है।

निरोग और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योग-आयुर्वेद की महत्वपूर्ण भूमिका : स्वामी परमार्थ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वामी रामदेव के शिष्य एवं पतंजलि योग समिति के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव के सानिध्य में तीन दिवसीय निशुल्क योग एवं पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शनिवार की सुबह हुआ। मनसा कॉलेज कोहका में आयोजित इस शिविर के पहले दिन लगभग 600 से 700 शिविरार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अपने उद्बोधन में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव ने आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में उपयोगी सरल घरेलू औषधियों एवं स्वास्थ्यवर्धक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, निरोग और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योग और आयुर्वेद की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही उन्होंने पतंजलि योगपीठ के उन समर्पित कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया जो योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यकर्ता भविष्य के निरोग, सशक्त और संस्कारित भारत के वास्तविक निर्माता हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन अनूप बंसल, जयंत विष्णु भारती तथा नरेंद्र पटेल द्वारा किया जा रहा है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर राकेश दुबे, छविराम साहू, मनसा कॉलेज के डायरेक्टर संजीव सक्सेना और मेजर सिंह (सेक्रेटरी, योगासन इंडिया) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीईओ का जिगरा, व्हाइट कॉलर वाला लोहा चोर

सन्न विधायक और नाराज मंत्री ...और भी बहुत कुछ

अंदर की बात

-:: खुलकर :: -
यशवंत साहू
फाउंडर भिलाई टाइम्स

1. जिगरा हो तो सीईओ साहब जैसा, लेकिन विधायक जैसा नहीं

जनपद सीईओ रूपेश पांडेय। गजब जिगरा है साहब का। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के सामने भी उनका जिगरा दिख गया। भाजपा मंडल महामंत्री पुराण देशमुख को गजब हड़काया। ये सबसे ट्रेंडिंग टॉपिक है राजनीतिक गलियारे में। सबका एक ही सवाल है कि आखिर विधायक जी चुप क्यों थे... ? ये सवाल किसी के गले नहीं उतर रही है। आखिर मजबूरी क्या थी ?, क्या सीईओ साहब एकदम ईमानदार है या उन्होंने सबको मैनेज कर रखा था ? इसीलिए सीईओ साहब ये भूल गए कि सामने विधायक खड़े हैं ? सब लोग सीईओ की तारीफ और विधायक की खामी निकाल रहे हैं। कह रहे कि जिगरा हो तो सीईओ जैसा और विधायक के जैसा तो न ही हो। ये बात मैं नहीं, सोशल मीडिया में अधिकांश यही कहते फिर रहे हैं। खैर विधायक जी, बेहद शांत वाले नेता हैं। कम बोलते हैं और जब बोलते हैं तो गजब बोलते हैं। सक्रिय विधायक की तरह नहीं, कि बात-बात पे बात करें।

2. गजब है भाई- भाजपा नेता पर ही 38 लाख का जुर्माना

अब बात अफरशाही की हो रही है तो एक और बात आपको बताते हैं। कुछ दिन पहले की है। दुर्ग जिले का ताजा घटनाक्रम है। साजा विधानसभा के एक भाजपा नेता जो माइनिंग का काम करते हैं। उनकी गाड़ी खनिज विभाग वालों ने जब्त कर लिया। दो हाइवा और एक जेसीबी। जुर्माना ठोक दिया 38 लाख रुपए का। भाजपा नेता भी हैरान। हमारी सरकार और हमारे ऊपर ही जुर्माना। इधर-उधर भागे जुर्माने की कॉपी लेकर। कई काफी भी उन्होंने पी और पिलाई। कहीं काम नहीं बना। आखिर में थक गया और 38 लाख रु. जुर्माना भरने की तैयारी में है। किसी समय में निकाय चुनाव के लिए अध्यक्ष की दावेदारी की थी। टिकट नहीं मिली तो माइनिंग के काम में लग गए थे। अब खनिज विभाग वालों ने लंबा-चौड़ा जुर्माना भर दिया। बेचारे नेता जी परेशान। अब इनका दुख-दर्द कौन ही सुने।

3. यूथ कांग्रेस चुनाव : प्रदेश अध्यक्ष के लिए कश्मकश

इस बार कांग्रेसी डर गए हैं युवा कांग्रेस चुनाव से। वजह साफ है- इस चुनाव की वजह से संगठन मजबूत नहीं, कमजोर ज्यादा होता है। सब नेता एक-दूसरे के दावेदारों को निपटाने में लग जाते हैं। ये बात यहीं खत्म नहीं होती। जिंदगीभर नेता याद रखते हैं कि युवा कांग्रेस चुनाव के वक्त इसने मेरा गड् ?ढा किया था। यही चीज, बड़े चुनाव में बड़ा नुकसान करती है। एक तो युवा विधायक की जिद है कि मैं अपना अलग से पैनल उतारूंगा। सब सीनियर्स इस बात से टेंशन में है कि अगर युवा विधायक के सामने उनका कैंडिडेट चुनाव हार गया तो सियासी कॅरियर पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। चर्चा है कि सारे सीनियर्स एक हो गए हैं युवा विधायक के खिलाफ। क्योंकि, युवा विधायक की प्रदेशभर में तगड़ी टीम है। इसका फायदा उनके दावेदारों को मिल सकता है। चर्चा है कि इस बार दुर्ग संभाग से हो सकता है युवा कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष।

4. जब यूथ कांग्रेस चुनाव में हुआ था बूथ कैप्चरिंग

अब बात युवा कांग्रेस चुनाव की हो रही है तो एक घटनाक्रम आपको रिकॉल करा देते हैं। ये बात 10-12 साल पहले की होगी। जब राजनांदगांव में जोगी खेमा वर्सेस संगठन खेमा के बीच सीधा मुकाबला था। तब विधानसभा अध्यक्ष के लिए संगठन की ओर से जित्तू भैया मैदान में थे और जोगी खेमे की ओर से घनश्याम। तब गजब की गमजीशी थी उस इलेक्शन में। बूथ कैप्चरिंग तक हो गया था। यानी कि डाले गए वोटों की पेटी उठाकर ले गए थे। काफी बवाल और हंगामा हुआ था। बाद में युवाओं को बंधक तक बना लिए गए थे। वैसे युवाओं को बंधक बनाने की रश्म इस युवा कांग्रेस चुनाव में होती ही है। अब देखते रहिए इस साल के चुनाव में क्या सीन होता है।

5. संविदा शिक्षकों में बड़ा खेल, भड़क गए मंत्री

स्वामी श्री आत्मानंद स्कूलों में टीचिंग और नॉन टीचिंग के लिए भारी संख्या में वैकेंसी निकाली गई। डीईओ, बीईओ खुश हो गए। कमाई का गजब तरीका आ गया। वैसे भी अधिकारियों को मौका चाहिए होता है कमाई का। इससे अच्छा अवसर क्या मिलता ? ये बात पता चलती है विभाग के मंत्री को। मंत्री जी, भारी नाराज। तत्काल बैठकें होती है और फरमान जारी कराया जाता है कि ये सुशासन की सरकार है। जनवरी में बनी सूची एक महीने पहले रिलीज हुई, तब एक रूपया इधर-उधर नहीं हुआ तो संविदा शिक्षकों की भर्ती में क्यों होगा ? मंत्री ने तत्काल रौद्र रूप दिखाते हुए आदेश जारी कराया और कहा कि अब संविदा भर्ती सेंट्रलाइज्ड होगी। बंद करो ये सब।

6. लोहा चोर : फर्श से अर्श तक...ऐसे कई सफेदपोश

बीएसपी से लोहा चोरी...ये बात नई नहीं है। आदि-अनादिकाल से बीएसपी से लोहा पार हो रहा है। इस काम को जिन्होंने शुरू किया था, अब वो सफेद कॉलर वाले बन गए हैं। क्योंकि, इन्होंने नेताओं-अफसरों को फंड देना शुरू किया। ऐसे लोहा चोरों को मंच मिला, माइक मिला और धीरे से टिकट भी मिलनी शुरू हो गई। इस बार कार्रवाई तगड़ी हुई, क्योंकि इस बार कप्तान सख्त वाले हैं। थोड़े नहीं, बहुत सख्त वाले। जो पिघले भी नहीं। ऐसे कई लोहा चोरों की कुंडली तैयार है। सबका नंबर लगेगा बारी-बारी...बस इंतजार करते रहिए। कप्तान ने सभी थानेदारों से कह दिया कि एक रुपए का भी लेनदेन पता तो लाइन में आने तैयार रहिएगा हो सके तो सस्पेंड होने को भी। क्योंकि कप्तान बोलते नहीं, सीधे करके दिखाते हैं।

7. रमन के गढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं का इस्तीफा, असल वजह ये

राजनांदगांव जिला यानी कि विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह का गढ़। अब वहां से खबर आए कि भाजपा के कार्यकर्ता इस्तीफा दे रहे हैं। वजह बस इतनी कि गांवों में काम नहीं हो रहा है। भाजपा के लोग उनकी नहीं सुन रहे हैं और प्रशासन बहरा हो गया है। कलेक्टर तक बात पहुंची, लेकिन कलेक्टर साहब ने बात को हल्के में ले लिया और अब उन्हें भारी पड़ रही है। उन्होंने सोचा नहीं था कि ये बात इतनी दूर तक जाएगी। अब इस बात की घबराहट है कि 10 जून को क्ढर लिस्ट आने वाली है। गलती से एक-दो दिन बाद कहीं क्अर की सूची न जाए। इस बात की राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारे में भारी चर्चा है। खबर तो ये भी है कि डॉक्टर साहब ठीक-ठाक नाराज हो गए प्रशासन के इस मुखिया से।

8. ये रील नहीं, रियल दुनिया के कर्मयोगी

गुरू ये जमाना क्रिएटिव का है। क्रिएटिव, इनोवेटिव करने वाले ही मार्केट में जिंदा रहेंगे। भिलाई टाउनशिप में कुछ ऐसे ही क्रिएटिव होर्डिंग्स नजर आ रहे हैं। पूरा सेंट्रल एवेन्यू भर गया है इस क्रिएटिविटी से। दरअसल, 9 जून को जन्मदिन हैं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले प्रेमप्रकाश पांडेय का। उनके जन्मदिन पर खास होर्डिंग्स लगवाई हैं उनके समथर्कों ने। नाम भी बता देते हैं क्योंकि होर्डिंग्स में तस्वीर दिख रही है। एक हैं सीए पीयूष जैन, उनके बालसखा आशीष अग्रवाल और सागर शुक्ला। ये तीनों जिगरी हैं। तीनों ने होर्डिंग्स में लिखवाया है- ये रील नहीं, रियल दुनिया के कमयीगी हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि प्रेमप्रकाश पांडेय शुरू से काम के दम पर वोट मांगे हैं। वो चाहे आईआईटी भिलाई हो, पेयजल आवर्धन योजना हो, टाउनशिप में गॉर्डन, पेवर ब्लॉक, एजुकेशन सेक्टर या अन्य चीजें हों। इस होर्डिंग्स में इन्हीं सब बातों का जिक्र है। जिसकी चर्चा खूब हो रही है।

9. मैनेज करना कमिश्नर साहब से सीखें

मानना पड़ेगा कमिश्नर साहब को। देश में, प्रदेश में जिस भाजपा की सरकार है, उन्हीं के नेताओं ने उन्हें घेरा। लेकिन मजाल है कि साहब का कोई बाल भी बांका कर पाए। उनकी कुर्सी तक नहीं हिली। इसे कहते हैं मैनेजमेंट। जिन नेताओं ने मेयर और कमिश्नर के खिलाफ पहले प्रदर्शन किया था, अब वो ही इस बात को भूल गए हैं कि उनके रडार में कमिश्नर भी थे। बड़ी-बड़ी बातें हुई, कमिश्नर का ट्रांसफर करवा देंगे। बस्तर भिजवा देंगे। ऐसा-वैसा। लेकिन कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया। इसे कहते हैं मैनेजमेंट। सीखों कमिश्नर साहब से।

भाजपा पार्षद का आरोप : भिलाई नगर निगम में अंधेरगर्दी

डिफाल्टर ठेकेदार को 13 लाख का भुगतान, पीयूष मिश्रा बोले- ईओडब्ल्यू में दर्ज कराएंगे एफआईआर, 1.5 करोड़ बकाया रहते आयुक्त ने लुटाया पैसा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई में सफाई ठेकेदार मेसर्स पीवी रमन पर मेहरबानी का मामला तूल पकड़ गया है। भाजपा के वरिष्ठ पार्षद पीयूष मिश्रा ने आर्थिक अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा कि निगमायुक्त राजीव कुमार पांडेय ने 1.5 करोड़ की बकाया देनदारी के बावजूद डिफाल्टर ठेकेदार को 13 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। उन्होंने पूरे प्रकरण की शिकायत आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) में कर आयुक्त के खिलाफ अपराध दर्ज कराने की बात कही है।

पीयूष मिश्रा ने कहा, यह विशुद्ध रूप से आर्थिक अपराध का प्रकरण है। सफाई कामगारों के पीएफ-ईएसआई के करोड़ों डकारने वाले ठेकेदार को निगमायुक्त बचा रहे हैं। हम न्यायालय भी इस प्रकरण को लेकर जाएंगे।

4 आयुक्तों की रोक के बाद भी भुगतान

ठेका दिसंबर 2022 में समाप्त हुए तीन साल बीत चुके हैं। पूर्व आयुक्त आईएएस रोहित व्यास, देवेश ध्रुव, लोकेश चंद्राकर और बजरंग दुबे ने ठेकेदार के भुगतान पर सख्त रोक लगा रखी थी। इसके बावजूद 25 मार्च को सामान्य सभा में आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव पारित होने के दिन ही 13 लाख रुपए सिविक सेंटर स्थित ठेकेदार के नए खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। ईपीएफओ ने रमन के अन्य बैंक खाते सीज कर रखे हैं। 18 लाख रुपए और देने की फाइल भी तैयार है।

कैसे बना 1.5 करोड़ का बकाया

निगम ने अप्रैल 2021 से दिसंबर 2022 तक शहर की सफाई का ठेका पीवी रमन को दिया था, जिसे जनवरी-फरवरी 2023 तक बढ़ाया गया। वेतन न मिलने पर हड़ताल हुई तो निगम ने सीधे वेतन दिया और ठेकेदार के बिल से 2.73 करोड़ की कटौती की। दिसंबर 2022 तक कुल बिल 5.36 करोड़ था। शेष 2.62 करोड़ में से ईपीएफ आयुक्त ने सीधे खाते से 1.78 करोड़ काट लिए। निगम ने 25 लाख अलग से जमा किए। इसके बाद ठेकेदार का बकाया 59 लाख बचा।

एक्सटेंशन में हुआ असली खेल

जनवरी-फरवरी 2023 के कमर्चारियों का करीब 1 करोड़ पीएफ और अप्रैल 2021 से फरवरी 2023 तक का 50-60 लाख ईएसआई आज तक जमा नहीं हुआ। इस तरह ठेकेदार पर कुल 1.5 करोड़ की देनदारी बनती है।

एक घंटे में तीन अफसरों के साइन

25 मार्च को सामान्य सभा में आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव पारित हुआ। उसी दिन एक घंटे के भीतर स्वास्थ्य अधिकारी, आयुक्त और लेखा अधिकारी के हस्ताक्षर से 13 लाख जारी हो गए।

दो ईपीएफ खाते खोलकर गुमराह किया

दस्तावेजों में 'PERI VENKAT RAMAN' के नाम से दो अलग ईपीएफ कोड CGRA1132021900 और CGRA12611715000 मिले हैं। संस्था ने कामगारों की पीएफ राशि दो खातों में जमा कर निगम को गुमराह किया। इसे पीएफ गबन मानकर एफआईआर दर्ज करने और संस्था को काली सूची में डालने की चेतावनी दी गई थी।

निगम के खजाने को नुकसान

नियमानुसार मुख्य नियोक्ता होने के नाते पीएफ-ईएसआई जमा कराने की कानूनी जिम्मेदारी निगम की है। पार्षद मिश्रा का आरोप है कि बकाया वसूलने के बजाय भुगतान कर निगमायुक्त ने खजाने को सीधा नुकसान पहुंचाया है। मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़े हुए किशोर, आसमान से गिरी बिजली, तीनों की मौत

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

जिले के पाली थाना क्षेत्र में बारिश से बचने के लिए एक बड़े पेड़ के नीचे खड़े हुए तीन किशोरों पर अचानक भारी डाल टूटकर गिर गई। हादसे में तीनों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह से ही जिले के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला हुआ था।

मिली जानकारी के अनुसार बीती शाम करीब पांच बजे पाली क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान पहाड़ गांव ग्राम पंचायत के अंतर्गत बेसेमर-चोरकादांड गांव के निवासी शिवराम टेकाम (14), दिनेश तिर्की (17) और कमलेश बड़ा (18) कहीं से लौट रहे थे। बारिश और तेज हवा से बचने के लिए तीनों एक बड़े पेड़ के नीचे रुक गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तूफान इतना तेज था कि कुछ ही देर बाद पेड़ की एक विशाल शाखा टूटकर सीधे उनके ऊपर आ गिरी। डाल का वजन इतना अधिक था कि तीनों उसके नीचे दब गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद शाखा को हटाया गया।

गंभीर रूप से घायल तीनों युवकों को तत्काल अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई। बताया जाता है कि एक किशोर ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पाली थाना प्रभारी नागेश तिवारी के मुताबिक सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100